ज्येष्ठ कृष्णा - 15 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 298 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 27-05-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस अब लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात कर रही

6 नए आर्थिक सूरज बनने के सुखद एवं गौरवपूर्ण पल

7 वेबसीरीज 'सिंगल पापा' में नजर आएंगी नेहा धूपिया

फर्स्ट टेक

कोविड संक्रमण पर बारीकी से नजर

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉक्टर राजीव बहल ने कहा है कि देश में कोविड संक्रमण की स्थिति पर बारीकी से नजर रखी जा रही है और फिलहाल चिन्ता की बात नहीं है। डॉ बहल ने सोमवार को यहां कहा कि देश में कोविड संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं, हालांकि इन्हें लेकर चिंता की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के सभी एजेंसियां स्थिति पर बारीकी से निगाह रख रही है और उचित समय पर तुरंत कदम उठा लिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कोविड संक्रमण की गंभीरता बहुत कम है और लोगों को अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि देश में कोविड संक्रमण से निपटने के लिए कई तरह की वैक्सीन मौजूद है। देशभर में कोविड संक्रमण के संदिग्ध मामलों की जांच की जा रही है। इस बीच केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार देश में कोविड संक्रमण के 1000 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं।

सरकार ने कुछ चमड़ा उत्पादों पर बंदरगाह प्रतिबंध हटाए

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने सोमवार को तैयार, गीले नीले और 'ईआई टैन्ड' सहित कुछ खास प्रकार के चमड़े के निर्यात पर बंदरगाह प्रतिबंध हटा दिए। इस कदम का क्षेत्र के निर्यातकों ने स्वागत किया है। सरकार ने तैयार चमड़े, गीले नीले चमड़े, क्रस्ट चमड़े और 'ईआई (पूर्वी भारत) टैन्ड' चमड़े के लिए केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान (सीएलआरआई) द्वारा परीक्षण और प्रमाणन की आवश्यकता को भी समाप्त कर दिया है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अधिसूचना में कहा, ''अधिसूचना इन चमड़ा उत्पादों के निर्यात पर बंदरगाह प्रतिबंधों को तत्काल प्रभाव से हटाती है।'' चमड़ा निर्यातकों ने कहा कि इस कदम से निर्यात को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

एनएसए डोभाल की मॉस्को यात्रा रद्द

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल की इस सप्ताह प्रस्तावित मॉस्को यात्रा रद्द कर दी गई है, क्योंकि मौसमी फ्लू के कारण उनकी तबीयत खराब है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। डोभाल को 27 से 29 मई तक मॉस्को में आयोजित होने वाली सुरक्षा मुद्दों के लिए उच्च स्तरीय प्रतिनिधियों की 13वीं अंतरराष्ट्रीय बैठक में भाग लेने जाना था। सूत्रों ने बताया कि मौसमी फ्लू संबंधी अस्वस्थता के कारण वह बैठक में भाग लेने में असमर्थ हैं। उन्होंने कहा कि एनएसए शीघ्र ही सामरिक और सुरक्षा मामलों पर रूस के साथ द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए तत्पर हैं।

26-05-2025 सूर्यास्त 6:41 बजे	27-05-2025 सूर्योदय 5:52 बजे
BSE 82,176.45 (+455.38)	NSE 25,001.15 (+148.00)
सोना 10,098 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 100,550 रु. प्रति किलो

आतंकवाद को ही पर्यटन मानता है पाकिस्तान

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पाकिस्तान की जनता से आतंकवाद के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की और कहा, सुख-चैन की जिंदगी जियो, रोटी खाओ, वरना मेरी गोली तो है ही।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ गुजरात में कच्छ जिले के भुज शहर में 50,000 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन

भुज/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को पाकिस्तान की जनता से आतंकवाद के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। उन्होंने कहा कि जहां भारत पर्यटन में विश्वास करता है, वहीं पाकिस्तान आतंकवाद को ही पर्यटन मानता है''। प्रधानमंत्री मोदी ने आगाह किया कि यह मानसिकता न केवल पाकिस्तान को बर्बाद कर रही है, बल्कि पूरे विश्व के लिए एक गंभीर खतरा भी पैदा कर रही है।

गत 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद केंद्र सरकार की सैन्य प्रतिक्रिया के रूप में 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद गुजरात की अपनी पहली यात्रा पर आए मोदी ने चेतावनी दी कि अगर पाकिस्तान के लोग शांति का रास्ता नहीं चुनते हैं, तो उन्हें भारतीय सेना की क्रोध का सामना करना पड़ेगा।

सोमवार (26 मई) को प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के 11 साल पूरे करने वाले मोदी ने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि जापान को पीछे छोड़कर भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी नागरिकों को सोचना चाहिए कि उनका देश कहां खड़ा है।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारतीय अर्थव्यवस्था (2014 में) 11वें स्थान पर थी, लेकिन आज 11 साल बाद यह चौथे स्थान पर है।''

वह गुजरात में कच्छ जिले के भुज शहर में 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे, जिसकी पाकिस्तान के साथ भूमि सीमा और समुद्री सीमा दोनों लगती हैं।

उन्होंने सीमापार आतंकवाद को प्रायोजित करने के लिए पाकिस्तान को आड़े हाथ लिया और उसके नागरिकों से कहा कि वे देखें कि उन्होंने इतने साल में क्या हासिल किया है और उनका देश कहां खड़ा है। उन्होंने कहा, ''जिन लोगों ने आतंकवाद को बढ़ावा दिया, उन्होंने आपका भविष्य बर्बाद कर दिया।''

मोदी ने कहा, ''भारत जहां पर्यटन में विश्वास रखता है, वहीं पाकिस्तान आतंकवाद को पर्यटन मानता है, जो दुनिया के लिए बहुत खतरनाक है। मैं पाकिस्तान के लोगों से पूछना चाहता हूं – उन्होंने क्या हासिल किया है? आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। लेकिन आपकी स्थिति क्या है? आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों ने आपका भविष्य बर्बाद कर दिया।''

जासूसी मामला

ज्योति मल्होत्रा को न्यायिक हिरासत

हिसार/भाषा। हरियाणा के हिसार की एक अदालत ने कथित जासूसी के एक मामले में पुलिस हिरासत की अवधि खत्म होने के बाद सोमवार को यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। ज्योति (33) को अदालत में पेश किया गया था। प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस ने ज्योति की हिरासत नहीं मांगी, जिसके बाद अदालत ने उसे जेल भेज दिया। पुलिस सूत्रों ने सोमवार को बताया कि इस बीच ज्योति के तीन मोबाइल फोन और एक लैपटॉप से डेटा बरामद कर लिया गया है, जिसे फॉरेंसिक जांच के लिए भेजा गया था। सूत्रों के मुताबिक, करीब 10 से 12 टेराबाइट डेटा बरामद किया गया है। इस संबंध में आगे की जांच जारी है। सूत्रों ने बताया कि ज्योति के चार बैंक खातों की भी जांच की जा रही है।

तमिलनाडु, असम में

राज्यसभा की आठ सीट के लिए चुनाव 19 जून को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली/भाषा। असम में दो और तमिलनाडु में छह राज्यसभा सीट के लिए चुनाव 19 जून को होगा। यह घोषणा निर्वाचन आयोग ने सोमवार को की। असम में दो और तमिलनाडु में छह राज्यसभा सीट क्रमशः जून और जुलाई में रिक्त होंगी।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पास 126 सदस्यीय असम विधानसभा में 84 सीट हैं। असम से राज्यसभा सदस्य वीरेंद्र प्रसाद वैश्य (असम गण परिषद) और एम रंजन दास (भाजपा) की सीट खाली हो रही हैं। तमिलनाडु के छह सदस्यों – अंबुमणि रामदास (पट्टाली मक्कल काची), एन चंद्रशेखरन (अन्नाद्रमुक), मोहम्मद अब्दुल्ला (द्रमुक), एम षणमुगम (द्रमुक), पी विल्सन (द्रमुक) और वाइको (एमडीएमके) – का कार्यकाल 24 जुलाई को समाप्त हो रहा है। इन चुनावों से राज्यसभा के राजनीतिक समीकरणों पर कोई फर्क पड़ने की संभावना नहीं है।

निर्वाचन आयोग ने कहा कि राज्यसभा चुनाव के लिए अधिसूचना 2 जून को जारी की जाएगी। मतगणना उसी दिन होगी।

नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 9 जून है। यदि नामांकन पत्र दाखिल करने वालों की संख्या रिक्त होने वाली सीट की संख्या के बराबर होगी तो परिणाम उसी दिन घोषित किए जा सकते हैं।

संघर्षविराम में ट्रंप की कोई भूमिका नहीं : जयशंकर

पाकिस्तान के अनुरोध पर रोका गया 'ऑपरेशन सिंदूर'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सोमवार को एक संसदीय समिति को बताया कि भारतीय सैन्य अभियान महानिदेशक (डीजीएमओ) ने पाकिस्तान को उनके क्षेत्र में आतंकी शिविरों पर हवाई हमले करने के बाद ही उन्हें सूचित किया था।

जयशंकर ने यह भी कहा कि उन्होंने पाकिस्तान से कभी बात नहीं की और अमेरिका के कथित 'हस्तक्षेप' के बारे में स्पष्ट किया कि सैन्य अभियान को रोकने का निर्णय पाकिस्तान की ओर से अनुरोध के बाद द्विपक्षीय रूप से लिया गया था।

मंत्री ने विदेश मामलों की सलाहकार समिति के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' को तभी रोका गया जब पाकिस्तान के डीजीएमओ ने इसे रोकने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि दोनों के बीच अमेरिकी मध्यस्थता का कोई सवाल ही नहीं है।

कांग्रेस और राहुल गांधी, जयशंकर पर निशाना साधते हुए आरोप लगा रहे हैं कि उन्होंने आतंकी शिविरों पर भारतीय हमलों के बारे में पाकिस्तान को पहले ही सूचित कर दिया था।

सूत्रों ने बताया कि मंत्री ने बैठक में सांसदों को बताया कि केवल दोनों देशों के डीजीएमओ ने एक-दूसरे से बात की और किसी अन्य भारतीय अधिकारी ने पाकिस्तानी पक्ष से बात नहीं की। उन्होंने कहा कि भारत से पाकिस्तान से बात करने का आग्रह करने वाले अमेरिका को बताया गया कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं हो सकती।

विदेश मंत्री ने बैठक के दौरान सांसदों द्वारा 'ऑपरेशन सिंदूर' को रोकने और अमेरिकी 'हस्तक्षेप' के बारे में पूछे गए कई सवालों के जवाब में बताया कि डीजीएमओ ने अपने पाकिस्तानी समकक्ष को सूचित किया था कि अगर वे गोलीबारी करेंगे, तो भारत जवाबी गोलीबारी करेगा।

उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में आतंकी शिविरों पर लक्षित हमलों ने पाकिस्तानी सेना के मनोबल को भी चोट पहुंचाई है। सूत्रों ने बताया कि मंत्री ने दुनिया भर में पाकिस्तान को 'बेनकाब' करने में सभी सांसदों से सहयोग मांगा।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा

अब आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा भारत

किसान भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास की रीढ़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नरसिंहपुर (मप्र)/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने सीमा पार स्थित आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले करके करारा जवाब दिया और दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि देश अब आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा।

यहां आयोजित तीन दिवसीय 'कृषि उद्योग समागम' का उद्घाटन करने के बाद अपने संबोधन में धनखड़ ने किसानों को भारत के आर्थिक और सामाजिक विकास की रीढ़ बताया और विश्वास जताया कि देश जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक ताकत बनेगा।

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले और उसके जवाब में भारत की ओर से चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए धनखड़ ने कहा कि आज पूरा देश राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत है। उन्होंने कहा, ''राष्ट्र आतंकवाद के खिलाफ एकजुट है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पहलगाम का जवाब दिया गया और इसका लोहा दुनिया ने माना है। देश के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। देश के प्रधानमंत्री ने बिहार से संदेश दिया था कि जिन्होंने सिंदूर मिटाया है, उनको धरती पर रहने का अधिकार नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय सीमा के अंदर घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों पर क्या सटीक बमबारी हुई, नष्ट कर दिया गया उन्हें। अब कोई प्रमाण नहीं मांग रहा है। कारण यह है कि जब उनके शव ले जाए जा रहे थे तब उनकी फौज खड़ी थी, उनके नेता खड़े थे और आतंकवादी खड़े थे। सबूत की आवश्यकता नहीं रही। उन्होंने ही यह प्रमाण विश्व के सामने दे दिया।''

धनखड़ ने कहा कि देश की सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिए हर भारतीय का सिर ऊंचा कर दिया है और हर कोई शान से कह रहा है कि ''हम भारतीय हैं।'' उन्होंने कहा, ''भारत अब बदल चुका है। भारत अब आतंकवाद को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेगा। जो 70 साल में नहीं हुआ वह कठोर निर्णय भारत के प्रधानमंत्री ने लिया तथा पाकिस्तान का पानी बंद कर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि खून और पानी एक साथ नहीं बहेगा। यह बहुत बड़ा संदेश उन्होंने दिया है। जिनका सिंदूर उजड़ा है, उनकी लाज रखी।''

मुंबई में बारिश: एक भूमिगत मेट्रो स्टेशन जलमग्न

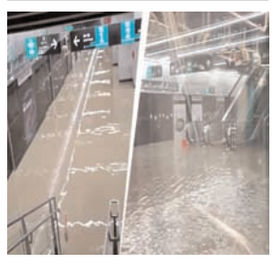

मुंबई/भाषा। मुंबई में सोमवार को भारी बारिश के कारण एक भूमिगत स्टेशन में पानी भर जाने के बाद आचार्य अत्रे चौक और वर्ली के बीच मेट्रो लाइन 3 पर ट्रेन सेवाएं स्थगित कर दी गईं। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएमआरसी) को भूमिगत आचार्य अत्रे चौक स्टेशन पर पानी भरने की सूचना मिलने के बाद परिचालन को स्थगित करना पड़ा। एमएमआरसी ने एक बयान में कहा, ''आज अचानक हुयी तेज बारिश के कारण, डॉ. एनी बेसेंट रोड पर आचार्य अत्रे चौक स्टेशन के निर्माणाधीन प्रवेश/निकास ढांचे में पानी का रिसाव हुआ। यह घटना तब हुई जब प्रवेश/निकास पर निर्मित जल-अवरोधक दीवार अचानक पानी आने के कारण ढह गई।'' इसने कहा कि एहतियाती उपाय के तौर पर तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वर्ली और आचार्य अत्रे चौक के बीच ट्रेन सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई हैं। हालांकि, आरे जेवीएलआर से वर्ली तक की सेवाएं प्रभावित नहीं हैं और नियमित रूप से जारी हैं।

सभी मुद्दों के हल के लिए

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने भारत के साथ शांति वार्ता की इच्छा जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कश्मीर, आतंकवाद, जल और व्यापार सहित सभी मुद्दों को सुलझाने के लिए भारत के साथ शांति वार्ता करने की सोमवार को इच्छा व्यक्त की। शरीफ ने यह टिप्पणी ईरान की राजधानी तेहरान में की, जहां वह चार देशों की अपनी यात्रा के दूसरे चरण में पहुंचे हैं।

प्रधानमंत्री तुर्किये से ईरान की राजधानी पहुंचे, जहां राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने सादाबाद पैलेस में उनका स्वागत किया। शरीफ को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया और उन्होंने राष्ट्रपति पेजेशकियन के साथ बातचीत की।

पेजेशकियन के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शरीफ ने कहा कि वह शांति के लिए भारत के साथ बातचीत करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा, ''हम कश्मीर मुद्दे और जल मुद्दे सहित सभी विवादों को बातचीत के जरिए सुलझाना चाहते हैं और व्यापार तथा आतंकवाद-रोधी मुद्दों पर भी अपने पड़ोसी के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं।'' उन्होंने साथ ही चेतावनी दी कि अगर भारत ने युद्ध का रास्ता चुना तो इसका जवाब दिया जाएगा।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सेना का सामर्थ्य

हो बयान कमजोर भले पर,
सेना तो कमजोर नहीं है।
सेना के संरक्षण के बिन,
किसी संघ में जोर नहीं है।
जिसके हाथों में कमान है,
वो कच्चा या चोर नहीं है।
महाशक्ति है अपना भारत,
पहले वाला दौर नहीं है।।

तेजप्रताप यादव की अलग रह रहीं पत्नी ने राजद से उनके निष्कासन पर कहा

यह नाटक है, नजर चुनावों पर : ऐश्वर्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

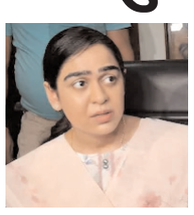

पटना/भाषा। राष्ट्रीयय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू प्रसाद की अलग रह रहीं बहू ऐश्वर्या ने सोमवार को दावा किया कि उनके पति तेजप्रताप यादव को पार्टी से निष्कासित करना आगामी बिहार विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखकर किया गया एक ''नाटक'' है।

लालू प्रसाद ने रविवार को अपने बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को ''गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार'' के कारण छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया और उनके साथ सभी पारिवारिक संबंध भी तोड़ दिए।

ऐश्वर्या ने आज यहां संवाददाताओं से बात करते हुए अपने ससुराल वालों पर एक ऐसे व्यक्ति से उनकी शादी कराकर जीवन बर्बाद करने का आरोप लगाया, जिसका व्यवहार असामान्य है।

ऐश्वर्या ने कहा, ''यह नाटक चुनावों को ध्यान में रखकर किया गया है। मुझे नहीं लगता कि कोई दरार है। वे सभी मिले हुए हैं। मुझे यकीन है कि कल भी राबड़ी देवी (ऐश्वर्या की सास) ने तेजप्रताप के आंसू पोंछकर और यह आश्वस्त करके उन्हें सांत्वना देने की कोशिश की होगी कि सभी चीजें सुलझ जाएंगी।''

तेजप्रताप और ऐश्वर्या ने 2018 में शादी की थी, लेकिन कुछ महीनों के बाद, ऐश्वर्या ने शारीरिक और भावनात्मक यातना का आरोप लगाते हुए ससुराल छोड़ दिया था।

पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियन्स को हराया

जयपुर/भाषा। अर्शदीप सिंह की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बाद जोश इंग्लिस और सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्य के अर्धशतक और दोनों के बीच शतकीय साझेदारी से पंजाब किंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग के महत्वपूर्ण मुकाबले में सोमवार को यहां मुंबई इंडियन्स को सात विकेट से हराकर शीर्ष दो में जगह सुनिश्चित की।

प्ले ऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी इन दोनों टीम के बीच हुए मुकाबले के विजेता का लीग चरण खत्म होने पर शीर्ष दो में रहना तय था। पंजाब की टीम ने लीग चरण में अपने अभियान का अंत 14 मैच में 19 अंक के साथ किया। टीम अभी शीर्ष पर है। मुंबई की टीम 14 मैच में 16 अंक के साथ चौथे स्थान पर है।

मुंबई के 185 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंजाब किंग्स ने इंग्लिस (73 रन, 42 गेंद, नौ चौके, तीन छक्के) और प्रियांश (62 रन, 35 गेंद, नौ चौके, दो छक्के) के बीच दूसरे विकेट की 109 रन की साझेदारी से 18.3 ओवर में तीन विकेट पर 187 रन बनाकर जीत दर्ज की।

लोढ़ा भाईपा के स्नेह मिलन में दी बड़माता मंदिर प्रोजेक्ट्स की जानकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। लोढ़ा भाईपा कर्नाटक के सदस्यों ने रविवार को एक रिसोर्ट में स्नेह मिलन का आयोजन किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में मूंडवा के बड़माता मंदिर संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष मेघराज लोढ़ा, महामंत्री राजकुमार लोढ़ा, पुणे के चन्द्रकांत पोपटलाल लोढ़ा ने माताजी की ज्योत प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। तीनों अतिथियों ने माताजी के मंदिर के प्रोजेक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए सभी के सहयोग की अपील की।

इस स्नेह मिलन में समाज के मेधावी विद्यार्थियों, तपस्वियों व अतिथियों का सम्मान किया गया। सदस्य परिवारों के मनोरंजन के लिए अनेक मनोरंजक खेलों का आयोजन किया गया जिनमें बड़ी संख्या में सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में अध्यक्ष महावीर लोढ़ा ने सभी का स्वागत किया। मंत्री प्रशांत लोढ़ा ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। कोषाध्यक्ष दिनेश लोढ़ा ने कार्यक्रमों की जानकारी दी। स्नेह मिलन में संस्था के धर्मीचंद लोढ़ा, चांदमाल लोढ़ा, पारसमल लोढ़ा, राजेंद्र लोढ़ा, सुनील लोढ़ा, महावीर लोढ़ा, महेंद्र लोढ़ा, उत्तमचंद लोढ़ा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन ज्ञानचन्द लोढ़ा ने किया।

बीबीएमपी अधिकारियों ने किया सुल्तानपेट क्षेत्र का दौरा

30 मई से होंगे सड़क व क्षेत्र सुधार कार्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के व्यावसायिक क्षेत्र सुल्तानपेट की मुख्य सड़क पर जलभराव व सड़क सुधार कार्य तथा अन्य जन समस्याओं को लेकर कर्नाटक पेपर मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण लुंकड़ सहित अन्य प्रतिनिधियों ने बृहद बेंगलुरु महानगरपालिका के विभिन्न अधिकारियों से मुलाकात की थी।सोमवार को उसी संदर्भ में नगर निगम आयुक्त द्वारा त्वरित संज्ञान लेते हुए बीबीएमपी अधिकारी मुनियप्पा ने अन्य अधिकारियों के साथ सुल्तानपेट क्षेत्र का दौरा किया। निरीक्षण के लिए पहुँचे अधिकारियों को व्यापारियों ने बताया कि बारिश के समय जलभराव के कारण दुकानों में पानी घुस जाता है, जिससे व्यापार बाधित होता है। यह क्षेत्र मुख्यतः होलसेल व्यापारिक क्षेत्र है, जहां टूटी-फूटी सड़कों, समय पर कचरा न उठाए जाने और कीचड़ के कारण लोगों तथा वाहनों को काफी असुविधा होती है। अधिकारी मुनियप्पा ने समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि 30 मई से क्षेत्र में सुधार कार्य प्रारंभ किया जाएगा। इस अवसर पर एसोसिएशन के सिविक एमिनिटीज चेयरमैन विष्णुराम चौधरी ने सभी अधिकारियों को धन्यवाद दिया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सहयोग

अमर्त ग्लोबल के बेंगलूरु चैप्टर के स्वयंसेवकों ने सोमवार को होयसलानगर व राममूर्तिनगर स्थित बस्तियों में एक स्वच्छता शिविर का आयोजन किया जिसमें बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। स्वयंसेवकों ने बच्चों को स्वच्छता किट (तेल , टूथपेस्ट, ब्रश , कन्घी, डेटोल) तथा युवतियों व महिलाओं को सेनेटरी नैपकिन बांटे।

तटीय कर्नाटक में बारिश से तबाही, रेड अलर्ट जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। कर्नाटक के तटीय क्षेत्रों में लगातार तीन दिन से जारी मूसलधार बारिश ने सोमवार को जनजीवन को बुरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया जिसके कारण स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दक्षिण कन्नड़ जिले में प्रशासन ने रेड अलर्ट जारी कर आपदा प्रतिक्रिया दलों की तैनाती की है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि कर्नाटक के तटीय इलाकों के लिए रेड अलर्ट अगले पांच दिनों तक लागू रहेगा।

मंगलूरु शहर के कई हिस्सों में जलभराव और यातायात जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई, क्योंकि जल निकासी प्रणालियां भारी बारिश से निपटने में विफल रहीं। अधिकारियों के अनुसार, जिले भर के पहाड़ी क्षेत्रों से भूस्खलन की मामूली घटनाएं सामने आईं। प्रमुख जलभराव की घटनाएं मंगलूरु के कोट्टारा जंक्शन, मालेमार और महावीर सर्कल से सामने आई हैं, जबकि उरवा, मतादकानी, कुदरोलि और कोडियलबैल (पश्चिम) जैसे क्षेत्रों में मामूली जलभराव देखा गया है। इसके अलावा थोक्कुट्टू, गूडिनबाली, मरकाडा, पनमबुर और आसपास के क्षेत्रों में भी पानी भर गया है।

दक्षिण कन्नड़ के कार्यवाहक उपायुक्त आनंद के ने बताया कि लगातार बारिश के कारण सोमवार को जिले के सभी आंगनवाड़ी केंद्र बंद कर दिए गए हैं।

भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने तटीय क्षेत्र में अगले 48 घंटों तक भारी बारिश जारी रहने का अनुमान जताया है। जिला प्रशासन के अनुसार, पिछले 24 घंटों में कई क्षेत्रों में बारिश का आंकड़ा 150 मिमी को पार कर गया, जिसमें सुल्लिया के बेल्लारे में सबसे अधिक 200.5 मिमी बारिश दर्ज की गई, इसके बाद बंटवाल के सरपडी और पुत्तूर के बेलांदूर में 190 मिमी बारिश दर्ज की गई।

बिगड़ते हालात को देखते हुए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की एक टीम पुत्तूर में तैनात की गई है, जबकि राज्य आपदा मोच बल (एसडीआरएफ) की दो टीमें मंगलूरु और सुब्रह्मण्य में तैनात की गई हैं। अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया गया है। प्रशासन ने स्थानीय निकायों और पंचायत विकास अधिकारियों को तत्काल निवारक और राहत उपाय करने के निर्देश भी दिए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि कुमता के पास उत्तर कन्नड़ जिले के कुछ हिस्सों में भूस्खलन की भी सूचना मिली है और बेलथांगडी के आसपास नदियों में जल स्तर बढ़ रहा है, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है।

जेसीआई सदस्यों ने 'दिल से' दी अपनी अपनी प्रस्तुतियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जेसीआई बेंगलूरु गार्डन सिटी ने रविवार को पहली बार दिल से-एक शाम जज़्बात के नाम' नामक ओपन माइक संध्या का आयोजन किया। इवाल्व टू इन्वाल्व और ऑपरेशन सिंदूर के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में संस्था के सदस्यों ने अपनी अपनी प्रतिभाओं को मंच प्रदान किया। 75 से अधिक सदस्यों ने शायरी, गीत, कहानियाँ और हास्य प्रस्तुतियाँ देकर दिल से प्रस्तुति दी। अध्यक्ष कामना जैन की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में उपाध्यक्ष गजेन्द्र दवे के निर्देशन में प्रोजेक्ट हेड्स सुनिधि मांडोत व राहुल मेहता ने संचालन किया। गायक आकाश झा ने अपनी प्रस्तुति से पूरी शाम को खुशनुमा बना दिया।

2025 के अंत तक

भारत होगा दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्थाः विरमानी

नई दिल्ली/भाषा। नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी ने सोमवार को कहा कि भारत वर्ष 2025 के अंत तक जापान को पछाड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है। आईएमएफ ने अप्रैल में जारी अपनी विश्व आर्थिक परिदृश्य रिपोर्ट में कहा था कि भारत के 2025 में 4.19 लाख करोड़ डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के साथ जापान से आगे निकलकर दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की उम्मीद है।

लिवरपुल विश्वविद्यालय बेंगलूरु में खोलेगा अपना परिसर

अगस्त 2026 में पहला बैच शुरू होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को यहां लिवरपूल विश्वविद्यालय प्रशासन को संबंधित आशय पत्र सौंपते हुए घोषणा की कि ब्रिटेन का यह विश्वविद्यालय बेंगलूरु में अपना परिसर खोलने जा रहा है और अगले साल अगस्त में विद्यार्थियों के पहले बैच का स्वागत करेगा। यह कदम ब्रिटेन के प्रतिष्ठित रसेल ग्रुप से जुड़े लिवरपूल विश्वविद्यालय को बेंगलूरु में पहला विदेशी विश्वविद्यालय परिसर खोलने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से औपचारिक मंजूरी मिलने के बाद उठाया गया है।

प्रधान ने यहां कार्यक्रम में कहा, ''भारत में परिसर स्थापित करने के लिए ब्रिटेन के प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में से एक लिवरपूल विश्वविद्यालय को आशय पत्र सौंपते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। आज का घटनाक्रम भारत के अग्रणी वैश्विक विश्वविद्यालयों के साथ अकादमिक साझेदारी को गहरा करने की यात्रा में एक और मील का पत्थर है तथा वैश्विक उच्च शिक्षा में एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत के उभरने की पुष्टि भी करता है।''उन्होंने कहा, ''लिवरपूल विश्वविद्यालय भारत में अपना परिसर खोलने की सार्वजनिक घोषणा करने वाला चौथा विदेशी विश्वविद्यालय है। यह तो बस शुरुआत है। इस शैक्षणिक वर्ष तक 15 विदेशी विश्वविद्यालय भारत में खासकर एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अभियांत्रिकी और गणित) में आएंगे। मुझे विश्वास है कि बेंगलूरु में लिवरपूल का परिसर एक वैश्विक परिसर होगा, जो अनुसंधान और नवाचार की सीमाओं को आगे बढ़ाएगा तथा वैश्विक कल्याण और समृद्धि में योगदान देने के लिए वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देगा।'' बेंगलूरु परिसर में शुरू में व्यापार प्रबंधन, लेखांकन और वित्त, कंप्यूटर विज्ञान और 'बायोमेडिकल साइंसेज' में पाठ्यक्रम शुरू किये जाएंगे। यह गेम डिजाइन में एक प्रोग्राम भी शुरू करेगा । लिवरपूल विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भविष्य में सहयोग की संभावनाओं को तलाशने के लिए रॉयल कॉलेज ऑफ ऑब्सटेट्रिशियंस एंड गायनाकोलॉजिस्ट्स (आरसीओजी), एस्ट्राजेनेका फार्मा इंडिया लिमिटेड, विप्रो लिमिटेड, यूवीकैन और ड्रीम11 सहित कंपनियों और संगठनों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए। विश्वविद्यालय के कुलपति टिम जोंस ने कहा, ''हमें बेंगलूरु का पहला अंतरराष्ट्रीय परिसर खोलने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से मंजूरी मिलने पर खुशी है। कर्नाटक और बेंगलूरु में एक परिसर खोलना अगला स्वाभाविक कदम लगता है, जो पहले से ही हमारी शानदार साझेदारियों और सहयोग को आगे बढ़ाएगा।''

मुंबई में 75 साल में सबसे जल्द मानसून आया, एक्का लाइन स्टेशन जलमग्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। देश की आर्थिक राजधानी में सोमवार को मानसून ने जोरदार तरीके से दस्तक दी। भारी बारिश के कारण मध्य रेलवे की हार्बर लाइन पर उपनगरीय ट्रेन सेवाएं स्थगित कर दी गईं, जबकि महानगर के कई इलाकों में जलभराव की खबरें आईं।

पश्चिमी महाराष्ट्र और तटीय कोंकण क्षेत्र के कुछ हिस्सों में भी भारी बारिश की खबर है। एक अधिकारी ने बताया कि रायगढ़ जिले में बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। भारी बारिश के कारण भूमिगत स्टेशन में पानी भर जाने के बाद सोमवार को आचार्य अत्रे चौक और वर्ली के बीच मेट्रो लाइन 3 पर ट्रेन सेवा स्थगित कर दी गई। मौसम विभाग की वैज्ञानिक सुषमा नायर ने बताया, ''दक्षिण-पश्चिम मानसून ने 26 मई को मुंबई में दस्तक दी। पिछले 75 वर्षों में मानसून इतना शीघ्र पहुंचा है।''

नायर ने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून 1956 में 29 मई को मुंबई पहुंचा था। यह 1962 और 1971 में इसी तारीख को पहुंचा था। मुंबई में मानसून के आगमन की सामान्य तारीख 11 जून है। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएमआरसी) को भूमिगत आचार्य अत्रे चौक स्टेशन पर पानी भरने की सूचना मिलने के बाद परिचालन स्थगित करना पड़ा।

मेट्रो स्टेशन के अंदर जलभराव से 33 किलोमीटर लंबे कोलाबा-बीकेसी-आरे जेवीएलआर भूमिगत मेट्रो कॉरिडोर पर भूमिगत मेट्रो स्टेशन के निर्माण की गुणवत्ता एवं मानसून की तैयारियों को लेकर चिंताएं पैदा हो गई हैं। एमएमआरसी ने एक बयान में कहा, ''आज अचानक और तीव्र बारिश के कारण, डॉ. एनी बेसेंट रोड पर आचार्य अत्रे चौक स्टेशन के निर्माणाधीन प्रवेश/निकास ढांचे में पानी का रिसाव हुआ। यह घटना तब हुई जब प्रवेश/निकास पर निर्मित आरसीसी जल-अवरोधक दीवार पास से अचानक पानी के प्रवेश के कारण ढह गई।''

इसने कहा कि एहतियाती उपाय के तौर पर तथा यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वर्ली और आचार्य अत्रे चौक के बीच ट्रेन सेवाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी गई हैं। हालांकि, आरे जेवीएलआर से वर्ली तक की सेवाएं प्रभावित नहीं हैं और नियमित रूप से जारी हैं। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के अनुसार पूर्वाह्न नौ बजे से 10 बजे के बीच, द्वीपीय शहर में सबसे अधिक वर्षा नरीमन प्वाइंट दमकल केंद्र इलाके में दर्ज की गई। यहां 104 मिलीमीटर बारिश हुई, जिसके बाद 86 मिलीमीटर बारिश के साथ ए वार्ड ऑफिस दूसरे स्थान पर रहा जबकि कोलाबा पंपिंग स्टेशन में 83 मिलीमीटर और नगर मुख्यालय में 80 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) की आंधी और तेज हवाओं की चेतावनी के बीच मुंबई के कई इलाकों में कुछ घंटों तक भारी बारिश हुई।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
नाम परिवर्तन

CHANGE OF NAME

I, hitherto known as **Ms./Kum. PARINEETA DEVANGA @ PARINEETA,** d/o Smt. NOMITA D P (NOMITA DEVANGA PRITHVI RAJ) and **Sri. DEEPAK D K (DEEPAK DEVANGA KESHAVA)** (with former names being **PARINEETA D D/PARINEETA/PARINEETA DEVANGA DEEPAK**), aged about 17 years, a minor, being born on July 9, 2008, presently residing at Dathri Nivas, 64/1, 2nd Floor, 2nd Cross, Behind Krishna Temple, Doddabommasandra, Bengaluru (Bangalore) 560 097, India, have changed my name and shall hereafter be known as **PARINEETA DEVANGA,** Vide affidavit dated 21st May 2025, sworn before Advocate and Notary **ANITHA BAI** at Bengaluru

एसबीआई आसानी से बढ़ाया जा सकने वाला ढांचा तैयार करने में जुटाः चेयरमैन

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने कहा है कि बैंक अनुशासित लागत प्रबंधन, कम लागत वाली जमाराशियों और शुल्क आधारित आय के विस्तार के आधार पर स्थायी रिटर्न के लिए एक ऐसा ढांचा विकसित कर रहा है जिसे आसानी से बढ़ाया जा सके।

शेट्टी ने बैंक के शेयरधारकों को भेजे संदेश में कहा, ''चालू खाते और बचत खाते (कासा) में मजबूत वृद्धि, डिजिटल क्रॉस-सेलिंग क्षमताओं और मार्जिन के लिहाज से संवेदनशील परिसंपत्ति आवंटन के साथ हम स्थायी रिटर्न के लिए एक आसानी से बढ़ाया जा सकने वाला मॉडल तैयार कर रहे हैं।'' उन्होंने वित्त वर्ष 2024-25 की सालाना रिपोर्ट में कहा, ''एक साथ ये रणनीतिक कदम हमें न केवल भारत के सबसे बड़े बैंक के रूप में, बल्कि ग्राहकों और निवेशकों दोनों के लिए दीर्घकालिक मूल्य प्रदान करने के लिए विश्वास, पैमाने और नवाचार को संतुलित करते हुए सबसे आगे की ओर देखने वाले बैंक के रूप में स्थापित करते हैं।''

एसबीआई ने वित्त वर्ष 2024-25 में 70,901 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ दर्ज किया है जो वित्त वर्ष 2023-24 के 61,077 करोड़ रुपए से 16 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि बैंक सतत और जोखिम-समायोजित वृद्धि हासिल करने के लिए ऋण क्षमता मूल्यांकन, पोर्टफोलियो निगरानी और प्रारंभिक चेतावनी का पता लगाने के लिए उन्नत विश्लेषण तरीकों का फायदा उठा रहा है।

'ऑपरेशन सिंदूर' ने साबित किया कि

कोई सेना, जनता और सीमा के साथ छेड़खानी नहीं कर सकताः शाह

नांदेड़/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता ने न केवल पाकिस्तान बल्कि दुनिया को भी यह संदेश दिया है कि कोई भी भारत की सेना, जनता और सीमा के साथ छेड़खानी नहीं कर सकता। शाह महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक 'शंखनाद रैली' को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर ने न केवल पाकिस्तान बल्कि दुनिया को यह संदेश दिया है कि कोई भी भारत की सेना, भारत की जनता और भारत की सीमा के साथ छेड़खानी नहीं कर सकता, अन्यथा नतीजे भुगतने होंगे।''

पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों द्वारा किए पहलगाम हमले को कायराना कृत्य बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पटना में कहा था कि आतंकी कहीं भी छिपे हों, उन्हें खोजकर मिट्टी में मिला दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान भूल गया कि 11 साल पहले कांग्रेस की सरकार थी, जो अब बदल गई है। हमने उरी, पुलवामा व पहलगाम हमलों का जवाब दिया और आतंकी ठिकानों पर हमला किया।'' 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि 6-7 मई की रात को 22 मिनट में नौ आतंकी शिविरों को नष्ट कर दिया गया, वहीं वायु रक्षा प्रणाली ने सुनिश्चित किया कि पाकिस्तान की मिसाइलें और ड्रोन देश की धरती को छू न सकें।

मेट्रो कार्य के चलते सुचारू यातायात पर विशेष ध्यान दिया जाएगा : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सोमवार को शहर में जहां मेट्रो कार्य जोरों से चल रहा है वहां का निरीक्षण किया। उन्होंने प्रमुख सड़कों पर वाहनों की सुचारू आवाजाही के लिए मुख्य सड़कों और सर्विस सड़कों को मिलाने की घोषणा की। उपमुख्यमंत्री ने हेब्बाल जंक्शन से सिल्क बोर्ड तक मेट्रो मार्ग पर महादेवपुरा और मारथहल्ली फ्लाईओवर का निरीक्षण किया।

हाल ही में ग्रेटर बेंगलूरु बैठक में, बेंगलूरु में प्रमुख सड़कों पर मेट्रो कार्य के कारण होने वाली यातायात भीड़ को कम करने और सुचारू यातायात की सुविधा के लिए मुख्य सड़क और सर्विस रोड के बीच के डिवाइडर को हटाने का निर्णय लिया गया था। इस मुद्दे पर बेंगलूरु के विधायकों के साथ चर्चा हो चुकी है, उनकी राय मांगी गई है और लगभग 40-50 किलोमीटर लंबीसड़कों पर मुख्य सड़कों और सर्विस रोड को मिलाने का निर्णय लिया गया है।

मेट्रो रेल परियोजना के कारण मुख्य सड़क का अधिकांश भाग निर्माण कार्यों के लिए उपयोग किया जा रहा था, जिससे यातायात जाम हो रहा था और वाहन सुचारू रूप से नहीं चल पा रहे थे। इसी पृष्ठभूमि में यह कार्रवाई की गई है।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार किसी तानाशाह से भी बदतर काम कर रही : प्रह्लाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कांग्रेस पर कर्नाटक में लोगों की आवाज दबाने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि राज्य सरकार किसी तानाशाह से भी बदतर तरीके से काम कर रही है। भाजपा नेता जोशी की यह प्रतिक्रिया कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा प्रदेश भाजपा के खिलाफ मानहानि का मुकदमा शुरू करने के बाद आयी है। कर्नाटक सरकार ने रविवार को जारी एक आधिकारिक अधिसूचना में आरोप लगाया कि भाजपा दृश्य मीडिया और प्रिंट मीडिया में राज्य सरकार की दो साल की विफलता के बारे में आरोप पत्र शीर्षक के तहत अपने अभियान के माध्यम से गलत और झूठी सूचना फैलाने में लगी हुई है।

विपक्षी भाजपा ने इस कदम को कर्नाटक में आपातकाल के दूसरे अध्याय की शुरुआत करार दिया है। केंद्रीय मंत्री जोशी ने एक पोस्ट में दावा किया कि कांग्रेस सरकार समाचार चैनल के एंकरों को डराने की कोशिश कर रही है। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी से सवाल किया कि उसकी विफलताओं, भ्रष्टाचार और कर्नाटक की अर्थव्यवस्था व राजनीति को पहुंचाए गए नुकसान पर बात करने से उसे डर क्यों लगता है?

जोशी ने सवाल किया, ''एक सवाल मुझे परेशान कर रहा है - क्या कर्नाटक हिटलर के समय की तरह एक तानाशाही में बदल गया है?'' उन्होंने आरोप लगाया कि संविधान और डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर के विचारों का पालन करने का दावा करने वाली कांग्रेस सरकार, किसी भी तानाशाह से भी बदतर तरीके से व्यवहार कर रही है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं कर्नाटक की धारवाड लोकसभा सीट से सांसद जोशी ने सवाल किया, क्या लोगों की आवाज दबाना संविधान का हिस्सा है, सिद्दरामय्या? आप

और डी के शिवकुमार आलोचना सुनने से इतने डरे हुए क्यों हैं? आपकी विफलताओं, भ्रष्टाचार और कर्नाटक की अर्थव्यवस्था व राजनीति को हुए नुकसान के बारे में बात करने से आपको डर क्यों लगता है?''

जोशी ने आरोप लगाया कि ''कांग्रेस सरकार असाधारण पुलिस बल भेजकर समाचार चैनल के एंकरों को डराने की कोशिश कर रही है।'' उन्होंने कहा कि यह कदम केवल सत्तारूढ़ सरकार की अपनी विफलताओं को छिपाने के प्रयास में ''डर और हताशा'' को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, ''श्रीमान सिद्दरामय्या, ऐसा लग रहा है कि आप केवल सत्ता से चिपके रहना चाहते हैं। हम आपकी हताशा साफ देख सकते हैं। लेकिन कर्नाटक इस तानाशाही जैसी मानसिकता या मुगलशाही तरीके के शासन को कभी स्वीकार नहीं करेगा।''

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने कहा कि उनकी पार्टी ऐसे हथकंडों से चुप नहीं बैठेगी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किया, अगर आपको लगता है कि आप पुलिस और कानून के नाम पर विपक्षी पार्टियों की आवाज दबा सकते हैं, तो यह आपकी मूर्खता की पराकाष्ठा है। उन्होंने कहा, कर्नाटक में आपातकाल का दूसरा अध्याय शुरू हो चुका है और कांग्रेस सरकार जल्द ही देखेगी कि लोकतंत्र, कर्नाटक की जनता, विपक्षी दल और मीडिया में इसे पलटने की ताकत है। कर्नाटक सरकार की अधिसूचना में कहा गया कि कर्नाटक सरकार ने इस संबंध में बेंगलुरु की 42वीं मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अदालत में मानहानि का मुकदमा दायर करने का फैसला किया है और कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग (डीपीएआर) के सचिव को शिकायत दर्ज करने के लिए अधिकृत किया गया है।

इस बीच, कांग्रेस ने मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने के मौके पर सोमवार को आरोप लगाया कि देश में अघोषित आपातकाल के 11 वर्ष पूरे गए। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स' पर पोस्ट किया, आज 26 मई 2025 है। आज अघोषित आपातकाल को 11 साल हो गए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा करते हुए कहा, 140 करोड़ जनता का हर तबका परेशान, 11 वर्षों में ऐसा रहा कमल का निशान। वर्ष 2014 में आज ही के दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री के तौर पर पहली बार शपथ ली थी। प्रधानमंत्री मोदी ने पिछले साल 9 जून को तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ली थी।

राजपरिवार के उत्तराधिकारियों को टीडीआर जारी करने के खिलाफ याचिका पर न्यायालय सुनवाई करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक सरकार की उस याचिका पर मंगलवार को सुनवाई सूचीबद्ध करने पर सहमति व्यक्त की जिसमें बेंगलूरु पैलेस ग्राउंड्स की 15 एकड़ जमीन के अधिग्रहण के संबंध में पूर्ववर्ती मैसूर राजपरिवार के कानूनी उत्तराधिकारियों को हस्तांतरणीय विकास अधिकार (टीडीआर) प्रमाणपत्र जारी करने के निर्देश को चुनौती दी गई है।

शुरू में प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने राज्य सरकार की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से पूछा कि वह किसी अन्य पीठ द्वारा पारित आदेश की समीक्षा कैसे कर सकती है। न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की एक अन्य पीठ ने 22 मई को अवमानना कार्यवाही में कर्नाटक सरकार को निर्देश दिया था कि वह राजपरिवार के उत्तराधिकारियों को 3,011 करोड़ रुपये मूल्य के टीडीआर प्रमाणपत्र जारी करे। हालांकि, वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि कर्नाटक नगर एवं ग्राम नियोजन अधिनियम में 2004 में संशोधन के माध्यम से पेश किया गया टीडीआर प्रावधान, बैंगलोर पैलेस (अधिग्रहण एवं हस्तांतरण) अधिनियम के तहत 1996 में अधिगृहीत भूमि पर पूर्वव्यापी रूप से लागू नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि 15 एकड़ जमीन टीडीआर प्रावधान के अस्तित्व में आने से पहले अधिगृहीत की गई थी तथा मूल अधिनियम के तहत मुआवजा पहले ही तय किया जा चुका है।

वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा, यह अधिग्रहण 1996 के कानून के तहत हुआ था और 11 करोड़ रुपये का मुआवज़ा तय किया गया था। उस समय टीडीआर की अवधारणा मौजूद नहीं थी। धारा 14बी, जो टीडीआर की अनुमति देती है, केवल 2004 में पेश की गई थी और यह केवल तभी लागू होती है जब भूमि मालिक स्वेच्छा से अपनी ज़मीन सौंपते हैं, न कि जब राज्य इसे अनिवार्य रूप से अधिगृहीत करता है। यह विवाद 1997 से शुरू हुआ जब राजपरिवार ने 1996 के अधिनियम की वैधता को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी और यह याचिका अब भी लंबित है।

इस बीच, राज्य सरकार ने पैलेस ग्राउंड्स के एक हिस्से पर सड़क विकसित करने की बात कही, जिसके कारण कई मुकदमे शुरू हो गए और अंततः अवमानना याचिकाएं दायर की गईं। वरिष्ठ अधिवक्ता ने अवमानना के फैसले पर चिंता जताते हुए कहा कि पीठ धारा 14बी के तहत उनकी कानूनी आपत्तियों का समाधान करने में विफल रही। उन्होंने कहा, आप अंतिम निर्णय में संशोधन नहीं कर सकते या अवमानना कार्यवाही के माध्यम से नए अधिकार नहीं जोड़ सकते। पीठ ने सवाल किया कि क्या मौजूदा पीठ समन्वय पीठ द्वारा पारित आदेश के खिलाफ अपील पर विचार कर सकती है। सिब्बल ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार पहले के आदेश को पलटने का आग्रह नहीं कर रही है, बल्कि केवल यह सुनिश्चित करना चाहती है कि लंबित अपील के ढांचे के भीतर उसकी कानूनी चिंताओं का उचित ढंग से समाधान किया जाए। टीडीआर प्रमाणपत्र भूमि अधिग्रहण में इस्तेमाल की जाने वाली एक प्रणाली है, जिसका उपयोग भूमि मालिकों को तब मुआवजा देने के लिए किया जाता है, जब उनकी संपत्ति सड़क चौड़ीकरण या बुनियादी ढांचे के विकास जैसी सार्वजनिक परियोजनाओं के लिए ली जाती है।

'कर्नाटक भोवी घोटाला

ईडी ने केबीडीसी के पूर्व अधिकारियों की संपत्तियां कुर्क कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने कर्नाटक भोवी विकास निगम (केबीडीसी) में कथित वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित धनशोधन जांच के तहत राज्य सरकार संचालित इस विभाग के दो पूर्व अधिकारियों की 26 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। केबीडीसी भोवी अनुसूचित जाति के लोगों के कल्याण के लिए काम करता है। कुर्क की गई संपत्तियां केबीडीसी के पूर्व महाप्रबंधक बी के नागराजप्पा, उसकी पूर्व प्रबंध निदेशक आर लीलावती और कुछ अन्य आरोपियों की हैं।

निदेशालय ने यहां जारी एक बयान में कहा कि धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 26.27 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियों को कुर्क करने के लिए एक अनंतिम आदेश जारी किया गया है, लेकिन इसका (संपत्तियों का) वर्तमान बाजार मूल्य 40 करोड़ रुपये है। नागराजप्पा और लीलावती को इस जांच के तहत अप्रैल में ईडी ने गिरफ्तार किया था और वे फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में बंद हैं।

ईडी ने आरोप लगाया कि दोनों अधिकारियों ने बिचौलियों और उनके सहयोगियों के साथ मिलीभगत करके केबीडीसी के धन का दुरुपयोग किया और 750 से अधिक 'फर्जी' लाभार्थियों के बैंक खातों में ऋण, सब्सिडी एवं वित्तीय सहायता के तौर पर पैसे मंजूर कर भेजे।

ये खाते उनके द्वारा 'धोखाधड़ी' से खोले गए थे। निदेशालय का आरोप है कि केबीडीसी से स्वीकृत राशि को बाद में आदित्य एंटरप्राइजेज', सोमनाथेश्वर एंटरप्राइजेज', न्यू ड्रीम्स एंटरप्राइजेज', हरनतिहा क्रिएशंस' और अन्निका एंटरप्राइजेज' जैसी विभिन्न संस्थाओं के बैंक खातों में पहुंचाया गया', जिन्हें नागराजप्पा और अन्य नियंत्रित' करते थे। इस संघीय जांच एजेंसी ने दावा किया कि इस धन का उपयोग संपत्तियों की खरीद एवं बिचौलियों को भुगतान करने में किया गया तथा व्यक्तियों एवं विभिन्न अन्य संस्थाओं के बैंक खातों में भी यह धनराशि पहुंचायी गयी।

ईडी ने कहा, केबीडीसी से गबन की गयी धनराशि मुख्य रूप से उनकी विलासितापूर्ण जीवन शैली को बनाये रखने तथा उनके और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर चल-अचल संपत्ति अर्जित करने में इस्तेमाल की गयी थी। धनशोधन का यह मामला कर्नाटक पुलिस द्वारा केबीडीसी से 97 करोड़ रुपये के दुरुपयोग और हेराफेरी' के आरोपों पर दर्ज की गई कई प्राथमिकियों पर आधारित है।

राज्यपाल ने भारत को प्रौद्योगिकी, नवाचार और नैतिकता का वैश्विक केंद्र बनाने में कृषि छात्रों की भूमिका पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेल्लारी/रायचूर। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, रायचूर के 14वें दीक्षांत समारोह के दौरान भारत को प्रौद्योगिकी, नवाचार और नैतिक प्रथाओं के वैश्विक केंद्र में बदलने में कृषि छात्रों की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया। राज्यपाल ने बेल्लारी से वर्चुअल माध्यम से सभा को संबोधित किया। भारत की आर्थिक उन्नति में कृषि के अभिन्न योगदान पर प्रकाश डालते हुए, राज्यपाल गहलोत ने कहा, ''कृषि-आधारित स्टार्टअप भारतीय अर्थव्यवस्था में क्रांति ला रहे हैं, जो भारत को दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। छात्रों को नवाचार को बढ़ावा देने और भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए 'स्टार्टअप इंडिया', 'डिजिटल इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी पहलों के माध्यम से अवसरों का लाभ उठाना चाहिए।

राज्यपाल ने बागवानी की व्यावसायिक संभावनाओं तथा औषधीय और सुगंधित फसलों की बढ़ती वैश्विक मांग पर जोर दिया। बागवानी प्रति इकाई क्षेत्र में अधिक आय, रोजगार और पोषण प्रदान करती है, जिससे अधिक किसान इन फसलों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। हमारे किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ औषधीय और सुगंधित फसलों की खेती में उन्नत तकनीकें अपनानी चाहिए। टिकाऊ प्रथाओं की वकालत करते हुए गहलोत ने पर्यावरण अनुकूल कृषि मॉडल को बढ़ावा देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, मिट्टी के क्षरण, पानी की कमी और रासायनिक पदार्थों के अत्यधिक उपयोग जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए हमें जैविक और प्राकृतिक खेती की ओर रुख करना होगा। संसाधनों का संरक्षण करते हुए उत्पादकता बढ़ाने के लिए ड्रोन आधारित निगरानी, स्मार्ट सिंचाई और वर्टिकल खेती जैसी प्रौद्योगिकियां महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने जलवायु परिवर्तन और खाद्य सुरक्षा जैसे वैश्विक मुद्दों से निपटने के लिए कृषि में भावी नेताओं को तैयार करने की तत्काल आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा, आज की कृषि डेटा एनालिटिक्स, जैव प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ड्रोन प्रौद्योगिकी द्वारा संचालित है। स्मार्ट कृषि अब एक अवधारणा नहीं, बल्कि एक वास्तविकता है, जो हमारे युवाओं की सक्रिय भागीदारी से संभव हुई है। समारोह में कर्नाटक के कृषि मंत्री एन. चेलुवरायस्वामी भी उपस्थित थे।

फैशन शो 'डिज़ाइन डैपल' में पेश किए अनूठे कलेक्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। द आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन एंड डिजाइन (एआईएफडी) के कार्यक्रम 'डिज़ाइन डैपल' का आयोजन रविवार को राजेंद्र सिंह आर्मी ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट में हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता जनरल ऑफिसर कमांडिंग कर्नाटक एंड केरल सब एरिया एवं एडब्ल्यूईएस बेंगलूरु के चेयरमैन मेजर जनरल वीटी मैथ्यू ने की। बता दें कि आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन एंड डिजाइन एक प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है, जिसकी स्थापना वर्ष 2004 में सेना कल्याण शैक्षिक सोसायटी (एडब्ल्यूईएस) द्वारा सैन्यकर्मियों के बच्चों के लिए की गई थी।

संस्थान हर वर्ष फैशन शो 'डिजाइन डैपल' का आयोजन करता है, जहां विद्यार्थी अपने रचनात्मक कार्यों का प्रदर्शन करते हैं। वे अपने फाइनल इयर के डिजाइन के परिधानों का कलेक्शन पेश करते हैं, जिनमें विविध कपड़ों का उपयोग करके बनाए गए हाई फैशन वस्त्रों से लेकर व्यावहारिक दैनिक कॉर्पोरेट और कैजुअल परिधान तक शामिल हैं।

इस वर्ष की मुख्य थीम 'उच्च फैशन वस्त्र, समावेशी और टिकाऊ फैशन' थी। फैशन डिजाइन आज के समय में बहुत ही लोकप्रिय और मांग वाला करियर है। इसमें बहुत संभावनाएं हैं और यह लगातार बढ़ते फैशन और परिधान विनिर्माण उद्योग में रोजगार के कई अवसर उपलब्ध कराता है।

कर्नाटक सरकार भाजपा के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने उसके कार्य प्रदर्शन के बारे में कथित रूप से गलत प्रचार करने को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने का फैसला किया है। रविवार को जारी एक आधिकारिक अधिसूचना में सरकार ने भाजपा द्वारा दृश्य मीडिया और प्रिंट मीडिया में चलाए गए अभियान के माध्यम से कथित रूप से गलत और झूठी सूचना पेश करने का हवाला दिया है।

विपक्षी भाजपा ने इस कदम को कर्नाटक में आपातकाल के दूसरे अध्याय की शुरुआत करार दिया है। अधिसूचना में कहा गया कि सरकार ने इस संबंध में बेंगलुरु की 42वीं मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अदालत में मानहानि का मुकदमा दायर करने का फैसला किया है और कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग (डीपीएआर) के सचिव को शिकायत दर्ज करने के लिए अधिकृत किया गया है।

सरकार ने 67वीं दीवानी और सत्र अदालत से लोक अभियोजक बी एस पाटिल तथा 61वें दीवानी और सत्र न्यायालय से शैलजा नायक को कानूनी कार्यवाही संभालने के लिए नियुक्त किया गया है। साथ ही, गृह विभाग (कानून और व्यवस्था) के उप सचिव कुमता प्रकाश को नियुक्त किया गया है और उन्हें इस मामले में सभी संबंधित विभागों के साथ समन्वय करने तथा लोक अभियोजक को पूरी जानकारी प्रदान करने का आदेश दिया गया है। इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा ने कहा कि कर्नाटक में पहली बार सरकारी तंत्र और अधिकारियों को नुमाइंदा बनाकर विपक्षी पार्टी और मीडिया को डराने के लिए एक अधिसूचना जारी की गई है।

भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा ने 'एक्स' पर कहा, ''कांग्रेस सरकार से किसी भी तरह की धमकी से भाजपा के डरने का सवाल ही नहीं उठता। अगर आपको लगता है कि आप पुलिस और कानून के नाम पर विपक्षी दलों को चुप करा सकते हैं तो यह आपकी मूर्खता की पराकाष्ठा है।''

उन्होंने कहा, ''यह साफ है कि चापलूसों और मूर्खों की सलाह पर मानहानि का मुकदमा दायर करने का आपका फैसला न केवल भाजपा के खिलाफ है, बल्कि मीडिया के खिलाफ भी बदला लेने के लिए है।'' विजयेंद्र ने कहा, ''कर्नाटक में आपातकाल का दूसरा अध्याय शुरू हो गया है और कर्नाटक की कांग्रेस सरकार जल्द ही देखेगी कि लोकतंत्र, कर्नाटक की जनता, विपक्षी दल और मीडिया के पास इसे पलटने की शक्ति है।''

झरने के ऊपर फंसे पांच पर्यटकों को बचाया

मंगलूरु। कर्नाटक में एरागुंडी झरने के ऊपर फंसे पांच पर्यटकों को स्थानीय लोगों ने सुरक्षित बचा लिया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना रविवार को दक्षिण कन्नड़ जिले स्थित मूडबिद्री तालुक के पुट्टीगे गांव के पलाडका में हुई। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पर्यटकों ने स्थानीय निवासियों की चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया था और झरने के ऊपरी हिस्से पर चढ़ गए थे लेकिन नदी में अचानक पानी का स्तर बढ़ने के कारण वे फंस गए और मदद के लिए गुहार लगाने लगे। स्थानीय निवासियों ने तुरंत उन्हें बचाने की कोशिश शुरू कर दी और रस्सियों का इस्तेमाल कर पांचों लोगों को सुरक्षित बचा लिया। किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है। जिला अधिकारियों ने पर्यटकों को भारी बारिश के दौरान झरनों और पहाड़ी इलाकों में जाने से आगाह किया था।

मंड्या में यातायात पुलिस की जांच के दौरान सड़क दुर्घटना में चार वर्षीय बच्ची की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। मंड्या में सोमवार को यातायात पुलिस की जांच के दौरान सड़क दुर्घटना में चार वर्षीय एक बच्ची की मौत होने से लोगों में आक्रोश फैल गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि बड़ी संख्या में लोगों ने इस घटना के लिए यातायात पुलिस को जिम्मेदार ठहराते हुए विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद तीन एएसआई (सहायक उपनिरीक्षक) को निलंबित कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक, रितिकशा को मद्दुर तालुका के उसके गांव में एक कुत्ते ने काट लिया था, जिसके बाद उसके माता-पिता उपचार के लिए दोपहिया वाहन पर उसे मांड्या शहर के एक अस्पताल ले जा रहे थे।

मंड्या के पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बलदंडी ने बताया कि घटना उस समय हुई, जब अस्पताल जा रहे दंपति को यातायात पुलिस ने हेलमेट नहीं पहनने के कारण रोक लिया। अधिकारी के अनुसार, पूछे जाने पर दंपति ने बताया कि उनकी बेटी को कुत्ते ने काट लिया है और वे इलाज के लिए उसे अस्पताल ले जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसके बाद यातायात पुलिस ने मोटर साइकिल को छोड़ दिया। इसी दौरान एक अन्य वाहन ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिसके बाद बच्ची मोटरसाइकिल से गिर गई और पीछे से आ रहे एक ट्रक ने उसे कुचल दिया। पुलिस ने बताया कि बच्ची के सिर में गंभीर चोटें आईं और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

विश्वविद्यालय गुणात्मक शिक्षा के प्रसार के बने संवाहक : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े ने निजी क्षेत्र की शिक्षा प्रसार में महती भूमिका बताते हुए कहा है कि शिक्षा जीवन को गढ़ती है और वे राष्ट्रोथान में सहभागी बनते गुणात्मक शिक्षा के प्रसार के संवाहक बने। बागड़े सोमवार को अपेक्स यूनिवर्सिटी के तृतीय दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत पश्चिम के ज्ञान से आरंभ से ही बहुत आगे रहा है। पर अंग्रेजी शिक्षा पद्धति ने हमे हमारे ज्ञान से निरंतर दूर किया है। उन्होंने भास्कराचार्य की चर्चा करते हुए कहा कि गुरुत्वाकर्षण के सिद्धांत के बारे में न्यूटन से पहले उन्होंने बता दिया था। उन्होंने कहा कि भारत ने ही दशमलव का ज्ञान पूरे विश्व को दिया। इसी से संसार को गिनती आई।

राज्यपाल ने नई शिक्षा नीति को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह भारतीयता से ओतप्रोत संस्कारमय समाज का निर्माण करने वाली है। उन्होंने विश्वविद्यालय में शिक्षकों को आदर्श आचरण के साथ नवीनतम ज्ञान से अपडेट रहने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि विद्यार्थी विश्वविद्यालय में प्राप्त ज्ञान और शिक्षा का उपयोग 'विकसित भारत' के लिए करें। उन्होंने शिक्षा को पवित्र कार्य बताते हुए कहा कि इसमें व्यावसायिकता की बजाय समाजोत्थान को सर्वोपरि रखते हुए कार्य किए जाए। उन्होंने गरीब, पिछड़े और प्रतिभावान हर वर्ग के बच्चों के लिए उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर प्रदान करने में निजी क्षेत्र को महती भूमिका निभाने पर जोर दिया। उन्होंने संजय शिक्षा समिति द्वारा संचालित संस्थाओं में वंचित बालको को शिक्षा प्रसार के किए कार्यों की सराहना की।

बागड़े ने कहा कि शिक्षा का ध्येय बच्चों की बौद्धिक क्षमता को बढ़ाना है। कॉपी करके पास हो जाना या रटना शिक्षा नहीं है। शिक्षा का अर्थ है, पढ़े हुए को समझकर अपनी बात रखना। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति में सीखने में विद्यार्थी की स्वतंत्रता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गयी है। राज्यपाल ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के जरिए हमारे देश ने विश्वभर को यह बता दिया है कि दृढ़ इच्छा शक्ति से भारत ने पूर्ण युद्ध छेड़े बिना ही आतंकवाद पर सीधे प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि इससे पूरी दुनिया में भारत की साख बढ़ी है। हम सभी को मां भारती और हमारी सेना पर गर्व है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय भारतीय सेना की शौर्य गाथाओं और राष्ट्र के महापुरुषों के आलोक में इस तरह के पाठ्यक्रम नई शिक्षा नीति के तहत बनाए जिनसे युवा पीढ़ी राष्ट्र गौरव से प्रत्यक्ष जुड़ सके। इससे पहले राज्यपाल ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को डिग्री और पदक प्रदान किए।

अस्पताल जाने के लिए जेल से निकले कैदी मौज मस्ती करते धरे गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर सेंट्रल जेल के चार कैदी इलाज के लिए रैफर पर्ची बनवाकर निकले थे। उन्हें नियमित जांच के लिए जाना तो अस्पताल था लेकिन वे पहुंच गए होटल में और बाद में कुछ अपनी प्रेमिका या पत्नी के साथ घूमते और कुछ पोहे का नाश्ता करते मिले। इस प्रकरण ने जेल व पुलिस प्रशासन की 'किरकिरी' करा दी। हालांकि पुलिस ने सोमवार को कहा कि इस मामले में पांच कांस्टेबल, चार कैदियों और उनके चार रिश्तेदारों सहित कुल 13 लोगों को रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

बताया जा रहा है कि कैदियों ने जेल के बाहर कुछ घंटे 'सैर सपाटा व मौज मस्ती' करने के लिए कथित तौर पर रिश्वत दी थी। पुलिस के अनुसार शनिवार को पांच कैदियों ने कथित तौर पर एसएमएस अस्पताल में मेडिकल चेकअप के लिए मंजूरी ली थी। लेकिन इनमें से चार रफीक बकरी, भंवर लाल, अंकित बंसल और करण गुप्ता ने डॉक्टर के पास जाने के बजाय शहर में आराम से पूरा दिन बिताने के लिए रिश्वत दी थी। केवल एक कैदी अस्पताल पहुंचा।

इन चारों में से कोई भी शनिवार को शाम 5.30 बजे तक जेल नहीं लौटा। जांच में शामिल एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, यह सैर-सपाटा एक बिचौलिए के जरिए करीब 25,000 रुपये में तय किया गया था। साथ गए कांस्टेबलों को 5,000-5,000 रुपये देने का वादा किया गया था। पुलिस उपायुक्त तेजस्वनी गौतम ने बताया कि रफीक और भंवर क्रमश: अपनी पत्नी और पूर्व प्रेमिका से जालूपुरा के एक होटल में मिले। बाद में रफीक की पत्नी के कब्जे से ड्रग्स बरामद की गई और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। वहीं अंकित और करण को एयरपोर्ट के पास एक होटल में पकड़ा गया जहां वे पोहे का नाश्ता कर रहे थे। इस होटल में कमरा अंकित की प्रेमिका ने बुक किया था। बाद में पुलिस ने करण के रिश्तेदार को एक होटल से 45,000 रुपये नकद और कई कैदी आईडी कार्ड के साथ हिरासत में लिया।

जेल सूत्रों ने बताया कि इस सैर-सपाटे की साजिश जेल के अंदर से ही सक्रिय एक सजायाफ्ता कैदी ने रची थी। जांचकर्ताओं का कहना है कि अप्रैल से अब तक 200 से ज्यादा फोन कॉल को 'इंटरसेप्ट' किया गया है, जिससे रिश्वत, मोबाइल का अनधिकृत इस्तेमाल और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समेत वीआईपी को कथित धमकियां दिए जाने के गहरे नेटवर्क का पता चलता है। पुलिस ने बताया कि सवाई मान सिंह पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और जयपुर सेंट्रल जेल में जांच और तलाशी शुरू कर दी गई है।

पूजा

जयपुर में सोमवार को 'वट सावित्री पूजा' के अवसर पर महिलाएं बरगद के पेड़ की पूजा करती एवं अनुष्ठान करती हुई।

भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली स्थित राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को नई दिल्ली के पृथ्वीराज रोड़ स्थित राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। शर्मा ने अधिकारियों को कार्यों में और अधिक गति लाते हुए तय समय-सीमा में इन्हें पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए पुनर्निर्माण कार्य को पूरा किया जाए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को जानकारी दी कि राजस्थान हाउस के पुनर्निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है। लोअर बेसमेंट में अंडर ग्राउंड वाटर टैंक एवं सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट के सिविल कार्य पूर्ण होने के साथ ही हाउस के ऊपरी भाग के स्ट्रक्चर निर्माण का करीब 70 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है।

उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली स्थित राजस्थान हाउस का पुनर्निर्माण कार्य चल रहा है। इस कार्य में राजस्थान की कलात्मक स्थापत्य शैली का खूबसूरत तरीके से समन्वय किया जाएगा। भवन की बाहरी दीवार पर धौलपुर सैण्ड स्टोन का कार्य किया जाएगा। नवीन राजस्थान हाउस में दो बेसमेंट, भूतल और 6 फ्लोर का प्रावधान रखा गया है। भवन के बेसमेंट में पार्किंग तथा मुख्य भवन में लॉबी, कैफेटेरिया, वेटिंग एरिया, डाईनिंग एरिया, फव्वारा, हैंगिंग झूमर, एट्रियम आदि बनाए जाएंगे। वहीं प्रथम तल पर कॉन्फ्रेंस हॉल, पुस्तकालय व जिम तथा छत पर टैरेस गार्डन, पार्टी हॉल, योग कक्ष आदि की सुविधाएं मिलेंगी। इससे पहले मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जनपथ लेन स्थित देवस्थान विभाग द्वारा संचालित बटुक भैरव मंदिर में दर्शन किए। उन्होंने पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

नौतपा की तपिश से झुलसा जैसलमेर: भीषण गर्मी, उमस और बिजली कटौती से आमजन परेशान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। नौतपा की शुरुआत इस बार शहरवासियों के लिए भीषण गर्मी और असहनीय उमस के साथ हुई। दूसरे दिन भी सूरज ने अपनी प्रचंडता दिखा दी। सुबह 8 बजे से ही सूरज की तपिश महसूस होने लगी थी और जैसे-जैसे दिन चढ़ा, वैसे-वैसे गर्मी का कहर भी बढ़ता गया। 11 बजे के बाद तो मानो आसमान से अंगारे बरसने लगे। गर्म हवाएं लू के रूप में लोगों को झुलसाने लगीं और वातावरण में इतनी उमस घुल गई कि घरों में भी रहना मुश्किल हो गया।

गर्मी और उमस से जूझते लोगों के लिए बिजली ही एकमात्र सहारा थी, लेकिन शहर में पिछले दो दिनों से बिजली व्यवस्था पूरी तरह से लड़खड़ाई हुई है। रात के समय शहर के अनेक इलाकों में 2 से 3 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रही, जिससे लोगों की नींद उड़ गई। वहीं दोपहर के समय जब तापमान चरम पर होता है, तब भी 2 से 3 घंटे तक बिजली गुल हो रही है। ऐसे में पंखे और कूलर भी ठप हो जाते हैं, और लोग गर्मी से बेहाल होकर रात-रात भर जागने को मजबूर हो गए हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि डिस्कॉम (बिजली वितरण निगम) की लचर व्यवस्थाओं के कारण बार-बार बिजली कटौती हो रही है। तकनीकी खामियों और क्षमता की कमी के कारण एक बार लाइट चली जाने पर घंटों लौटती नहीं है। रात-दिन में औसतन ढाई से तीन घंटे की बिजली कटौती ने हजारों लोगों का सुख-चैन छीन लिया है।

शहर में बढ़ती गर्मी और लू के चलते आमजन की दिनचर्या पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गई है। दोपहर के समय तो मुख्य मार्गों, हाइवे, चौराहों और बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा। दुकानदार ग्राहकों के इंतजार में बैठे रहे, लेकिन गर्म हवाओं के कारण लोग घरों से निकलना नहीं चाहते। आमतौर पर भीड़भाड़ वाले स्थान जैसे बाजार, बस स्टैंड, स्टेशन और पर्यटक स्थल भी सुनसान नजर आए। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 31 डिग्री दर्ज किया गया। सुबह 8 बजे से ही तेज धूप का असर शुरू हो गया था, जो देर रात तक बना रहा। वातावरण में इतनी गर्मी घुली रही कि रात 10 बजे तक भी राहत महसूस नहीं हुई। सिर्फ देर रात के बाद ही थोड़ा सुकून मिल पाया, लेकिन बिजली कटौती ने उस राहत को भी छीना नहीं छोड़ा।

इस असहनीय गर्मी से बचने के लिए लोगों ने ठंडे पेय पदार्थ, छाछ, नींबू पानी, आइसक्रीम और अन्य तरल चीजों का सहारा लेना शुरू कर दिया है।

जम्मू-कश्मीर की नीट आकांक्षी ने कोटा में फांसी लगाकर खुदकुशी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोटा। जम्मू-कश्मीर की 18 वर्षीय एक नीट आकांक्षी ने कोटा के प्रताप चौराहा स्थित अपने 'पेइंग गेस्ट' कक्ष में पंखे से लटककर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस साल खुदकुशी की यह 15वीं और इस माह की दूसरी घटना है। महावीर नगर थाने में तैनात क्षेत्र निरीक्षक रमेश कविया ने बताया कि रविवार शाम आत्महत्या करने से पहले जीशान ने अपने एक रिश्तेदार से फोन पर बात की और उसे बताया कि वह खुदकुशी का कदम उठा सकती है। उन्होंने कहा कि रिश्तेदार बुरहान ने तुरंत उसी इमारत में रहने वाली दूसरी छात्रा ममता को फोन किया और जीशान के बारे में पूछा। अधिकारी ने बताया कि ममता जब जीशान के कमरे पर पहुंची तो कमरा अंदर से बंद मिला और उसने मदद के लिए शोर मचाया।

उन्होंने कहा कि इस पर भीड़ जमा हो गई और पास में काम कर रहे बढ़ई से 'ग्राइंडर' लेकर दरवाजा काटा गया। अधिकारी ने बताया कमरे में जीशान पंखे से लटकी मिली।

उन्होंने कहा कि अस्पताल में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, जीशान ने पहले मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी के लिए शहर में एक कोचिंग संस्थान में दाखिला लिया था। इसने बताया कि वह एक माह पहले ही कोटा लौटी थी और इस बार किसी भी संस्थान में दाखिला लिए बिना वह खुद ही पढ़ाई कर रही थी। पुलिस ने कहा कि कमरे में 'एंटी-हैंगिंग डिवाइस' नहीं था।

'एंटी-हैंगिंग डिवाइस' एक रॉड होती है जो छत में लगे हुक से लेकर पंखे की ऊपरी परत तक लगती है। इस रॉड के बीच में एक जोड़ होता है जिसके अंदर स्प्रिंग होती है। जैसे ही 20 किलोग्राम से ज्यादा वजन पंखे पर आता है तो पंखा नीचे लटक जाता है। कुन्हाड़ी थाना क्षेत्र में मध्यप्रदेश के एक नीट आकांक्षी ने तीन मई को परीक्षा से एक दिन अपने कमरे में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली थी।

चिकित्सा मंत्री ने उच्च स्तरीय बैठक लेकर दिए निर्देश- ब्लड ट्रांसफ्यूजन सिस्टम होगा और सुदृढ़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के सभी अस्पतालों में ब्लड ट्रांसफ्यूजन सिस्टम को और सुदृढ़ किया जाएगा। इसके लिए एसओपी में जरूरी बदलाव करने के साथ ही राजस्थान डिजिटल हैल्थ मिशन के तहत तकनीकी नवाचार भी किए जाएंगे, ताकि ब्लड ट्रांसफ्यूजन में चूक की कोई गुंजाइश नहीं रहे। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सोमवार को स्वास्थ्य भवन में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में इस संबंध में निर्देश दिए। खींवसर ने कहा कि अस्पताल में भर्ती होने वाले हर मरीज का जीवन अमूल्य है। उपचार की प्रक्रिया में किसी भी स्तर पर कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जा सकती। उन्होंने हाल ही सवाई मानसिंह अस्पताल में एक महिला रोगी को गलत ब्लड चढ़ने की घटना को गंभीरता से लेते हुए सख्त हिदायत दी कि भविष्य में ऐसी कोई

घटना नहीं हो। उन्होंने इसके लिए ब्लड ट्रांसफ्यूजन सिस्टम को सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि राजस्थान डिजिटल हैल्थ मिशन के तहत चिकित्सा तंत्र को तकनीकी तौर पर मजबूत किया जा रहा है। इसके तहत अब आभा आईडी के तहत रोगी के विवरण में ब्लड ग्रुप अनिवार्य रूप से शामिल किया जाएगा, ताकि किसी भी आपात स्थिति में ब्लड की उपलब्धता के साथ ही ब्लड ट्रांसफ्यूजन में भी सुगमता और सटीकता हो।

चिकित्सा मंत्री ने बैठक में निर्देश दिए कि राजकीय चिकित्सा संस्थानों के आईसीयू एवं क्रिटिकल केयर वार्डों में उपचार के लिए निर्धारित एसओपी की गंभीरता एवं सख्ती के साथ पालना सुनिश्चित की जाए। इन वार्ड में वरिष्ठ चिकित्सकों के साथ ही सीनियर रेजीडेंट हर समय मौजूद रहें। प्रशिक्षित नर्सिंग एवं पैरामेडिकल स्टाफ ही यहां नियोजित किया जाए, ताकि रोगियों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं मिलें। चिकित्सा संस्थान प्रभारी समयकृसमय पर इन वार्ड की स्थिति एवं ब्लड बैंक की कार्यशैली की जांच करें और कोई भी खामी पाए जाने पर तत्काल सुधार करें। किसी भी कार्मिक की लापरवाही सामने आए तो सख्त एक्शन लें।

बैठक में चिकित्सा विशेषज्ञों ने ब्लड ट्रांसफ्यूजन सिस्टम को सुदृढ़ करने के सम्बन्ध में कई सुझाव भी दिए। इस दौरान चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़, चिकित्सा शिक्षा सचिव अम्बरीष कुमार, चिकित्सा शिक्षा आयुक्त इकबाल खान एवं सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज से संबद्ध अस्पतालों के अधीक्षक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण के लिए 28 को राज्यभर में होगी ज्ञानवर्धक कार्यशालाएं

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग अपनी तरह के अनूठे नवाचार के साथ प्रदेश के बुजुर्गों (वरिष्ठ नागरिकों) के कल्याण और सशक्तिकरण के साथ सामाजिक तानेकृबाने को मजबूती देने का प्रयास कर रहा है। इसी कड़ी में विभाग द्वारा 28 मई को इंदिरा गांधी पंचायती राज संस्थान के सभागार में राज्य स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसी तरह की कार्यशाला प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित की जाएगी, ताकि बुजुर्ग स्वयं को हर स्तर पर मजबूत और सशक्त महसूस करें।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने प्रदेश भर के वरिष्ठ नागरिकों को जिलों में होने वाली कार्यशालाओं में जुड़ने का आव्हान किया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और विभाग की मंशा बुजुर्गों (वरिष्ठ नागरिकों) को मानसिक, शारीरिक, कानूनन हर तरीके से स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने की है। उन्हें किसी भी तरह से दूसरों पर आश्रित नहीं रखने की है।

जयहिंद सभा में गरजे कांग्रेस नेता : गहलोत ने भाजपा पर तिरंगे और सीजफायर को लेकर बोला हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बाड़मेर। राजस्थान के बाड़मेर में कांग्रेस की 'जयहिंद सभा' सेना के सम्मान के नाम पर आयोजित हुई, लेकिन मंच पर कांग्रेस नेताओं ने केंद्र की मोदी सरकार और आरएसएस को निशाने पर लिया। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, सांसद रणदीप सुरजेवाला और सचिन पायलट ने तिरंगे के सम्मान से लेकर भारत-पाक युद्ध विराम तक कई गंभीर सवाल उठाए। गहलोत का आरोप- इनका बस चले तो तिरंगा खत्म कर दें। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने तीखे शब्दों में आरएसएस और बीजेपी पर हमला बोला। उन्होंने कहातिरंगा आपने कब अपनाया? आप तो तिरंगे के खिलाफ थे। नागपुर स्थित आरएसएस मुख्यालय में 80 साल तक तिरंगा नहीं फहराया गया। इन्हें तिरंगे की शान और उसका गौरव समझ नहीं आता। गहलोत ने आरोप लगाया कि जयपुर की रैली में बीजेपी के नेताओं ने तिरंगे का अपमान कियाकोई उससे मुंह पोंछ रहा था, कोई उसे पैरों तले रौंद रहा था। इनका बस चले तो आरएसएस का भगवा झंडा राष्ट्रीय ध्वज बना दें।

गहलोत ने भारत-पाक सीजफायर पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहाजब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्वीट किया, तभी युद्धविराम हो गया। आखिर अमेरिका कौन होता है पंचायती करने वाला? सीजफायर को लेकर खतरनाक खेल हुआ है। ट्रंप पर भरोसा नहीं किया जा सकता।

कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चुप्पी पर सवाल उठाया और कहाजब हमारी सेना दुश्मन पर भारी पड़ रही थी, तो अचानक युद्ध विराम की क्या जरूरत थी? अमेरिका ने आठ बार कहा कि हमने युद्ध रोकवायाक्या अब हमारे फैसले वाशिंगटन से होंगे? उन्होंने कहा, अमेरिका ने कहा कि अगर भारत युद्ध करेगा तो धंधा बंद कर देंगे। मोदी जी बताएं कि व्यापार जरूरी है या देश की अस्मिता? अगर रगों में सिंदूर दौड़ता है तो व्यापार की शर्त पर समझौता नहीं हो सकता। पीएम की चुप्पी यह बताती है कि दाल में काला है। पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि सेना पर पूरे देश को गर्व है। जब-जब देश को ललकारा गया है, हमारी फौज ने दुश्मनों के दांत खट्टे किए हैं। ये सभा सैनिकों को सलाम करने के लिए है, न कि झूठे राष्ट्रवाद की राजनीति के लिए। उन्होंने पहलगाम आतंकी हमले पर सरकार से सवाल करते हुए कहाहमने नहीं पूछा कि आतंकी कैसे घुसे, लेकिन जब अचानक अमेरिकी राष्ट्रपति युद्धविराम की घोषणा कर दें, तो यह जानना जरूरी है कि इसकी शर्तें क्या थीं? सभा में बाड़मेर की वीरांगनाओं और युद्ध में दिव्यांग हुए सैनिकों का शॉल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया।

आपातकाल लगाने वाली कांग्रेस अब लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात कर रही : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा ने मोदी सरकार पर ''अघोषित आपातकाल'' का आरोप लगाने को लेकर कांग्रेस की सोमवार को आलोचना की और कहा कि यह ''बड़ी विडंबना'' है कि ''व्यक्तिगत और राजनीतिक लाभ'' के लिए 1975 में आपातकाल लगाने वाली पार्टी अब लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात कर रही है।

भाजपा का यह बयान, केंद्र में नरेन्द्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने के मौके पर कांग्रेस के कटाक्ष करने के बाद आया है जिसमें कहा गया था कि ''अघोषित आपातकाल'' के 11 साल हो गए हैं और अच्छे दिन की बात अब एक डरावना सपना साबित हुई है। इस पर पलटवार करते हुए, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''यह बड़ी विडंबना है कि एक परिवार के प्रभुत्व वाली पार्टी अब लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बात कर रही है।'' उन्होंने कहा कि यह वही कांग्रेस है जिसने सत्ता में रहते हुए देश भर में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को गिराने के लिए अनुच्छेद 356 का ''सौ से अधिक बार'' दुरुपयोग किया और 1975 में ''व्यक्तिगत और राजनीतिक लाभ के लिए आपातकाल'' लगाया, जिससे

मौलिक अधिकार निलंबित हो गए और नागरिकों की आजादी छिन गई थी।

जोशी ने आरोप लगाया, ''कर्नाटक में उसकी अपनी (कांग्रेस) सरकार ने एक ऐसा आदेश जारी किया है, जो आपातकाल के समय के हथकंडों की याद दिलाता है। और अब, वे (कांग्रेस) पार्टी के प्रति आलोचनात्मक विचार व्यक्त करने वाले पत्रकारों और समाचार प्रस्तोता को निशाना बना रहे हैं और उन्हें गिरफ्तार करने का प्रयास कर रहे हैं।'' उन्होंने पूछा कि क्या कांग्रेस और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इन मुद्दों पर कुछ बोलेंगे।

कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने अपने कामकाज के बारे में कथित रूप से दुष्प्रचार करने के लिए प्रदेश भाजपा के खिलाफ मानहानि का मुकदमा करने का फैसला किया है। रविवार को जारी एक आधिकारिक अधिसूचना में, कर्नाटक सरकार ने भाजपा पर ''राज्य सरकार की दो साल की विफलता के बारे में आरोप पत्र'' शीर्षक के तहत मीडिया में अपने (भाजपा के) अभियान के माध्यम से गलत सूचना और झूठ फैलाने का आरोप लगाया।

भाजपा ने कांग्रेस पर कर्नाटक में लोगों की आवाज दबाने का आरोप लगाया। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि राज्य सरकार ''किसी तानाशाह से भी बदतर'' हो गई है। जोशी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि कांग्रेस सरकार समाचार चैनल के एंकर को ''डराने'' की कोशिश कर रही है। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी से पूछा कि कर्नाटक की अर्थव्यवस्था और राजनीति में अपनी ''विफलताओं, भ्रष्टाचार और नुकसान'' के बारे में बात करने से उसे डर क्यों लगता है।

सुहागिन महिलाओं ने अपने-अपने पति की खुशहाली के लिए सावित्री पूजा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में सोमवार को सुहागिन महिलाओं ने अपने-अपने पति की दीर्घायु और खुशहाली के लिए सावित्री पूजा की। महिलाओं का 'सिंदूर' उनके सुहागिन होने का प्रतीक है।

विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं की भीड़ यहां मंदिरों खासकर लक्ष्मी-नारायण मंदिरों में उमड़ी। सावित्री व्रत अनुष्ठान करने के लिए महिलाएं बरगद के पेड़ों के पास एकत्रित हुईं। यह पूजा हर साल ज्येष्ठ (मई-जून) महीने की अमावस्या को की जाती है। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''उड़िया संस्कृति और परंपरा के पवित्र त्योहार वट सावित्री के अवसर पर मैं सभी साध्वा (सुहागिन) माताओं और बहनों को अपनी शुभकामनाएं और बधाई देता हूं। मैं हर साध्वा महिला के लिए लंबे और सुखी विवाहित जीवन की प्रार्थना करता हूं।''

राज्य सरकार ने त्योहार के लिए इस दिन छुट्टी घोषित की है। यह त्योहार हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, अटूट भक्ति और शक्ति की प्रतीक सावित्री को समर्पित है। ऐसा माना जाता है कि अपने पति सत्यवान को फिर से जीवित करने के लिए उन्होंने यमराज से संघर्ष किया था। श्री जगन्नाथ संस्कृति के शोधकर्ता भास्कर मिश्रा ने बताया कि सावित्री की बहादुरी और आध्यात्मिक संकल्प की कहानी महाभारत में मिलती है। मिश्रा ने कहा कि इस अवसर पर पुरी के जगन्नाथ मंदिर में विशेष पूजा की जाती है।

बरेली में रोहिंग्या और बांग्लादेशी संदिग्धों की पहचान के लिए अभियान शुरू

बरेली (उप्र)/भाषा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के बरेली में संदिग्ध रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए सोमवार को 15 दिवसीय विशेष अभियान शुरू हुआ। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने अपने कार्यालय में एक वर्चुअल बैठक के दौरान इस पहल की शुरुआत की। बैठक में जिले के सभी अपर पुलिस अधीक्षकों, पुलिस क्षेत्राधिकारियों, स्थानीय अभिसूचना इकाई के अधिकारियों, थानाध्यक्षों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। आर्य ने बताया कि अभियान के लिए जिला पुलिस ने थानावार टीम बनाई हैं। जिले भर के सभी थानाध्यक्षों को अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने के निर्देश दिये गये हैं।

अमेठी से मेरा पारिवारिक रिश्ता, यह कभी नहीं टूटेगा: स्मृति ईरानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमेठी (उप्र)/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी सोमवार को अपने पूर्व संसदीय निर्वाचन क्षेत्र अमेठी पहुंचीं और कहा कि अमेठी से उनका घर-परिवार का रिश्ता है और ऐसे रिश्ते कभी नहीं टूटते। अमेठी से पूर्व सांसद स्मृति ईरानी आज गौरीगंज के रणंजय माध्यमिक विद्यालय के मैदान में अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित संगोष्ठी में हिस्सा लेने आई थीं।

पिछले लोकसभा चुनाव में पराजय के 11 महीने बाद पहली बार अमेठी आयीं ईरानी ने भावुक लहजे में कहा, ''अमेठी से मेरा पुराना रिश्ता है। घर-परिवार का रिश्ता है। खून का रिश्ता है। ऐसे रिश्ते कमजोर नहीं होते और ना ही टूटते हैं। अमेठी ने मुझे दीदी माना है और दीदी का रिश्ता घर से तभी टूटता है जब उसकी अर्थी उठती है। आप सबने जो रिश्ता स्थापित किया है यह टूटने नहीं पाएगा।'' उन्होंने यह भी कहा कि अब अमेठी आने में वह 11 महीने की देर नहीं करेंगी। ईरानी ने इस अवसर पर कहा कि गांव और समाज का विकास किये बिना एक सशक्त राष्ट्र की परिकल्पना नहीं की जा सकती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तो उसने भारत के ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर जोर दिया। उन्होंने कांग्रेस का नाम लिये बगैर उस पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, ''वर्ष 2014 से पहले जो बजट पंचायत के विकास के लिए 70 हजार करोड़ रुपए था, उसे बढ़ाकर ढाई लाख करोड़ रुपए किया गया। इसका परिणाम है कि आज भारत मजबूत ही नहीं हुआ है बल्कि हमारी अर्थव्यवस्था भी दुनिया में चौथे स्थान पर पहुंच गई है।'' ईरानी ने अपने संबोधन में बिना नाम लिए कांग्रेस को लगातार निशाने पर रखा।

पेंशन, सेवानिवृत्ति लाभ में देरी नहीं की जा सकती : कलकत्ता उच्च न्यायालय

कोलकाता/भाषा। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने कहा कि किसी कर्मचारी को लंबी और निरंतर सेवा के बाद मिलने वाली पेंशन और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों में एक दिन की भी देरी नहीं की जा सकती। न्यायमूर्ति गौरांग कंठ ने 23 मई के अपने आदेश में कहा कि ऐसे मामलों में देरी से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को कठिनाई होती है, जो जीविका के लिए इस बकाया राशि पर निर्भर होते हैं। यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल के एक नगर निकाय की चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी द्वारा दायर याचिका के जवाब में आई। याचिकाकर्ता ने कहा कि वह 30 नवंबर, 2023 को सेवानिवृत्त हुईं और उनका अंतिम मासिक वेतन लगभग 40,000 रुपए था। हालांकि, उनके पदनाम में विसंगतियों के कारण, उनके पक्ष में अभी तक कोई पेंशन स्वीकृत नहीं की गई है। न्यायमूर्ति कंठ ने कहा कि न्यायालय वर्तमान स्थिति पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त करने के लिए विवश है, जहां प्रशासनिक दक्षता और पारदर्शिता लाने के उद्देश्य से अद्यतन डिजिटल अवसंरचना के परिणामस्वरूप संक्रमणकालीन अकुशलताएं उत्पन्न हो गई हैं, जिससे चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के लिए पेंशन लाभों को अंतिम रूप देने में अस्थायी रूप से बाधा उत्पन्न हो रही है। आदेश में उन्होंने कहा कि न्यायालय सभी संबंधित पक्षों को यह याद दिलाना उचित समझता है कि पेंशन कोई दान का कार्य नहीं है, बल्कि यह कर्मचारियों द्वारा उनकी लंबी और समर्पित सेवा के परिणामस्वरूप अर्जित कानूनी रूप से लागू अधिकार है। आदेश में आगे कहा गया है कि पेंशन के वितरण में किसी भी प्रकार की अनुचित देरी अस्वीकार्य है और यह समानता और न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है।

नीतीश ने नौकरशाह के सिर पर गमला रखा 'राजद' ने उनकी 'मानसिक स्थिति' पर उठाए सवाल

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को सोमवार को एक कार्यक्रम के दौरान भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी ने गमला भेंट किया जिसके बाद कुमार ने वही गमला अधिकारी के सिर पर रख दिया। मुख्यमंत्री के इस बर्ताव पर राज्य के मुख्य विपक्षी दल राजद ने उनकी 'मानसिक स्थिति' को लेकर सवाल उठाए। यह घटना पटना के एलएन मिश्रा इंस्टीट्यूट में हुई, जहां मुख्यमंत्री ने लगभग 10 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शिलान्यास किया और 20 नवनियुक्त संकाय सदस्यों को नियुक्ति पत्र सौंपे। अतिरिक्त मुख्य सचिव (शिक्षा) एस सिद्धार्थ ने कुमार को गमला भेंट किया जिसे लेने के बाद कुमार ने उसे उसी अधिकारी के सिर पर रख दिया, जिससे लोग अचंभित रह गए। सिद्धार्थ ने तुरंत इसे हटा दिया और वहां से चले गए, इस दौरान वहां मौजूद लोग मुस्कुराने लगे। इस पूरे प्रकरण की एक क्लिप सोशल मीडिया पर सार्वजिक हो गई। यह घटना मुख्यमंत्री की ओर से किए गए असामान्य बर्ताव की घटनाओं की सूची में शामिल हो गई।

बिहार में डॉक्टर समेत दो लोगों के कोविड से संक्रमित होने की पुष्टि

पटना/भाषा। बिहार में पटना स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के एक डॉक्टर समेत दो लोगों के कोविड-19 वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पटना में 31 वर्षीय एक व्यक्ति के कोविड से संक्रमित होने की पुष्टि हुई जो ताजा लहर में बिहार का पहला मामला है। पटना के सिविल सर्जन अविनाश कुमार सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''हाल में पटना के एक युवक में कोविड-19 संक्रमण की पुष्टि हुई, हालांकि उसने राज्य से बाहर की यात्रा नहीं की है। संक्रमण का स्तर बहुत हल्का है। संक्रमित का इलाज एक निजी अस्पताल में किया जा रहा है। मामले की बारीकी से निगरानी की जा रही है और सभी आवश्यक प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है।''

जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि एम्स पटना के एक डॉक्टर के भी कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। अधिकारियों ने कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन एहतियात के तौर पर लोगों से सतर्कता बरतने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि स्थिति को संभालने के लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह तैयार है। जिलाधिकारी ने कहा, ''पटना के सरकारी अस्पतालों को पहले ही तैयारी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। इसमें बिस्तर, ऑक्सीजन, दवाइयों और टीकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना शामिल हैं।'' पिछले कुछ हफ्तों से देश भर में कोविड-19 के मामले बढ़ रहे हैं।

गाजियाबाद में अपराधी को पकड़ने गई पुलिस पर हमला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

एक कांस्टेबल की मौत और कई अन्य घायल

नोएडा/गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश)/भाषा। गाजियाबाद जिले में वांछित अपराधी को पकड़ने गई नोएडा पुलिस के एक दल पर एक समूह ने जानलेवा हमला कर दिया जिससे एक कांस्टेबल की मौत हो गई और कई अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

नोएडा पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि घटना रविवार देर रात गाजियाबाद जिले के मसूरी थाना क्षेत्र के नाहल गांव की है जब नोएडा के थाना फेज-तीन में दर्ज एक मामले में वांछित अपराधी कादिर को पकड़ने के लिए पुलिस दल छापेमारी करने गया था।

गाजियाबाद पुलिस के अनुसार नोएडा पुलिस ने छापा मारकर कादिर को पकड़ लिया लेकिन जब पुलिस कादिर को अपने साथ ले जा रही थी तभी पंचायत भवन के पास छिपे उसके साथियों ने पुलिस दल पर गोलीबारी और पथराव कर अपराधी को छुड़ा लिया। गाजियाबाद के पुलिस उपायुक्त (ग्रामीण) सुरेंद्र नाथ तिवारी ने बताया कि बदमाशों ने कई गोलियां चलाईं जिसमें से एक गोली कांस्टेबल सौरभ कुमार देशवाल के सिर में लग गई। उन्होंने बताया कि सौरभ को तुरंत गाजियाबाद के यशोदा अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

प्रवक्ता ने बताया कि उपनिरीक्षक सचिन राठी, उदित सिंह, सुमित, निखिल सहित कई पुलिसकर्मी घायल भी हुए हैं। सूचना मिलने पर गौतमबुद्ध नगर जिले की पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह घटना की जानकारी लेने अस्पताल पहुंचीं। नोएडा थाना फेज-तीन के उप निरीक्षक सचिन ने मसूरी थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

उप्र में गुंडों को उत्पात मचाने की खुली छूट है: आजाद

अलीगढ़ (उप्र)/भाषा। आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और नगीना क्षेत्र से सांसद चंद्रशेखर आजाद ने गत शनिवार को अलीगढ़ में मांस व्यापारी और उसके साथियों पर भीड़ द्वारा हमला किये जाने की कथित घटना की कड़ी निंदा करते हुए सोमवार को कहा कि उप्र में गुंडों को उत्पात मचाने की खुली छूट है। उन्होंने कहा कि यह घटना इस बात को साबित करती है कि उत्तर प्रदेश में अराजक भीड़ को उत्पात मचाने की खुली छूटी है।

आजाद ने घटना में घायल लोगों से अस्पताल में पहुंचकर मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पिछले शनिवार को मांस व्यापारी के वाहन पर भीड़ द्वारा किया गया हमला दिखाता है कि किस तरह भीड़ को उत्तर प्रदेश में उत्पात मचाने की खुली छूट है। आजाद ने कहा, ''परेशान करने वाली बात यह है कि हमला पुलिस दल के सामने हुआ। पुलिस असहाय होकर पूरी घटना को होते देखती रही, वह भी तब जब मांस व्यापारी ने माल के वैध होने के सभी दस्तावेज पेश किये थे।'' आजाद ने कहा कि राज्य में कमजोर वर्गों, खासकर दलितों और अल्पसंख्यकों पर इस तरह के हमले बढ़ रहे हैं और गुंडे-बदमाशों को खुली छूट है।

यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली की अदालत ने बृजभूषण के खिलाफ पुलिस की 'क्लोजर रिपोर्ट' स्वीकार की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को दिल्ली पुलिस की 'क्लोजर रिपोर्ट' स्वीकार कर ली जिसमें भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली एक पहलवान (जब वह अवयस्क थी) द्वारा दायर मामले को रद्द करने की मांग की गई थी।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश गोमती मनोचा ने कहा, ''मामले को रद्द करना स्वीकार किया गया।'' चैंबर के भीतर एक अगस्त 2023 को कार्यवाही के दौरान, 'नाबालिग' ने न्यायाधीश से कहा था कि वह मामले में दिल्ली पुलिस की जांच से संतुष्ट है और 'क्लोजर रिपोर्ट 'का विरोध नहीं करती है। दिल्ली पुलिस ने 15 जून 2023 को लड़की से जुड़े मामले को रद्द करने की मांग करते हुए रिपोर्ट दायर की थी , जब उसके पिता ने जांच के बीच में चौंकाने वाला दावा किया कि उसने लड़की के साथ कथित अन्याय का बदला लेने के लिए बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न की झूठी शिकायत की थी। पुलिस ने बृजभूषण के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम के मामले को हटाने की सिफारिश की थी लेकिन छह महिला पहलवानों द्वारा दर्ज एक अलग मामले में उन पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया गया था।

कांग्रेस ने गौरव गोगोई को सौंपी असम इकाई की कमान

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने असम विधानसभा चुनाव से करीब एक साल पहले सोमवार को अपनी राज्य इकाई में बड़ा बदलाव करते हुए लोकसभा सदस्य गौरव गोगोई को प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया।

पिछले कुछ महीनों से अपनी ब्रिटिश मूल की पत्नी के कथित पाकिस्तानी संबंधों को लेकर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के हमलों का सामना कर रहे गोगोई ने यह नई जिम्मेदारी मिलने के बाद पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया और कहा कि वह आने वाले दिनों में राज्य की जनता का आशीर्वाद मांगेंगे। पार्टी के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गोगोई को असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त करने के साथ ही तीन नेताओं को कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी है। असम विस के सदस्य जाकिर हुसैन सिकदर, पूर्व विधायक रोजलीना तिर्की और प्रदीप सरकार को पार्टी की असम इकाई का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है।

टी20 विश्व कप मेरे दिमाग में है : केएल राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के सीनियर बल्लेबाज केएल राहुल अगले साल भारत में होने वाले विश्व कप के जरिये टी20 टीम में वापसी करना चाहते हैं और उन्होंने कहा कि इस प्रारूप से दूर रहने से उन्हें सफेद गेंद के प्रारूप में अपने खेल में सुधार का मौका मिला ।

राहुल पिछले तीन साल से भारत के लिये टी20 क्रिकेट नहीं खेले हैं । उन्होंने आखिरी बार ऑस्ट्रेलिया में 2022 टी20 विश्व कप में खेला था जब भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में हार गई थी । राहुल ने स्काय स्पोर्टस से कहा ,'' मैं टी20 टीम में वापसी करना चाहता हूं और विश्व कप मेरे जेहन में है । लेकिन इस समय मैं सिर्फ अपने खेल का मजा लेना चाहता हूं ।''

मौजूदा टी20 चैम्पियन भारत 2026 में श्रीलंका के साथ विश्व कप की मेजबानी करेगा ।

आईपीएल में राहुल की दिल्ली कैपिटल्स टीम प्लेआफ के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकी लेकिन उन्होंने 13 मैचों में 149.72 की स्ट्राइक रेट से 539 रन बनाये ।

राहुल ने छह सत्र में पांचवीं बार 500 से अधिक रन बनाये हैं । उन्होंने कहा ,'' मुझे सफेद गेंद के प्रारूप में अपने खेल पर काम करने का मौका मिला । मैं अपने प्रदर्शन से खुश हूं लेकिन 12 या 15 महीने

पहले मुझे अहसास हुआ था कि खेल बदल रहा है और तेज होता जा रहा है। इसमें वही टीम जीत रही है जो अधिक चौके छक्के लगा रही है।'' राहुल ने कहा ,'' मैं पिछले कुछ साल से टी20 टीम का हिस्सा नहीं हूं । इससे मुझे इस प्रारूप में अपने खेल पर विचार करने का मौका मिला ।''

उन्होंने कहा ,'' मैने बैठकर सोचा कि कहां बेहतर हो सकता हूं और मुझे खेल की रफ्तार पकड़ने के लिये क्या करना होगा । टी20 टीम में वापसी करने और वनडे तथा टी20 प्रारूप में टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा बनने के लिये क्या करना होगा ।''

अपने एक दशक के कैरियर में राहुल का भारतीय टीम में बल्लेबाजी क्रम स्थिर नहीं रहा लेकिन उन्होंने कहा कि टीम की जरूरत के अनुसार अपने खेल में बदलाव करके उन्हें खुशी मिलती है । उन्होंने कहा ,'' अगर आपने मेरा कैरियर देखा हो तो मुझे नहीं लगता कि मेरे पास विकल्प थे और मैं वह खिलाड़ी नहीं रहा हूं जो चयनकर्ताओं से बात करे या कप्तान से बोले कि मैं ऐसा करना चाहता हूं ।'' राहुल ने कहा ,'' मैं बस टीम में रहना चाहता हूं और हर चुनौती का सामना करना चाहता हूं ।''

भारत को पिछली दो टेस्ट श्रृंखलाओं में न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया ने हराया ।

राहुल ने कहा ,'' हम पिछली दो श्रृंखलाओं में बेहतर बल्लेबाजी कर सकते थे । घरेलू हालात में हमने तीन टेस्ट गंवाये । हमें रन बनाने पर मेहनत करनी होगी । निर्णायक क्षणों में नाकाम रहने का खामियाजा हमें ऑस्ट्रेलिया में भुगतना पड़ा और हमने वही गलतियां दोहराई ।''

प्रियांक पांचाल ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। भारत 'ए' और गुजरात के पूर्व कप्तान प्रियांक पांचाल ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास की घोषणा की है। गुजरात क्रिकेट संघ (जीसीए) ने सोमवार को यह जानकारी दी। पैंतीस साल के पांचाल ने 127 प्रथम श्रेणी मैच खेले जिसमें उन्होंने 29 शतक और 34 अर्द्धशतक की मदद से 45.18 की औसत से 8,856 रन बनाए।

दाएं हाथ के इस सलामी बल्लेबाज ने 97 लिस्ट ए मैच भी खेले जिसमें उन्होंने आठ शतक और 21 अर्द्धशतक के साथ 40.80 की औसत से 3,672 रन बनाए। उन्होंने 59 टी20 मैच में नौ अर्धशतक से 28.71 की औसत के साथ 1,522 रन बनाए। जीसीए सचिव अनिल पटेल ने एक बयान में कहा, ''गुजरात क्रिकेट संघ प्रियांक पांचाल को उनके शानदार करियर के लिए बधाई देता है। इस बल्लेबाज ने सोमवार 26 मई 2025 को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने की घोषणा की है।'' उन्होंने कहा, ''दाएं हाथ के बल्लेबाज प्रियांक ने कप्तान के रूप में भारत ए का भी प्रतिनिधित्व किया। वह 17 से अधिक वर्षों तक घरेलू क्रिकेट में गुजरात क्रिकेट संघ का प्रतिनिधित्व करते हुए सलामी बल्लेबाज के रूप में ढेरों रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे।'' रणजी ट्रॉफी में 2016-17 में पांचाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नाबाद 314 रन के सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर के साथ 1,310 रन बनाए। इसी सत्र में गुजरात ने शीर्ष घरेलू प्रतियोगिता रणजी ट्रॉफी जीती। वह विजय हजारे ट्रॉफी 2015-16 और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2012-13 और 2013-14 में खिताब जीतने वाली गुजरात टीम का हिस्सा भी रहे।

सुविचार

हम वही काटते हैं जो हम बोते हैं। हम अपने भाग्य के निर्माता स्वयं हैं। किसी और का दोष नहीं है, किसी की प्रशंसा नहीं है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

खींचतान और क्लेश, बेपटरी बांग्लादेश

बांग्लादेश में सियासी खींचतान और क्लेश ने मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार की नाकामी पूरी तरह उजागर कर दी है। इस पर किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए, क्योंकि यूनुस ने कुर्सी संभालते ही जो 'प्रयोग' करने शुरू किए थे, उनका यही नतीजा निकलना था। इन अर्थशास्त्री ने बांग्लादेश का जितना अनर्थ किया, शायद ही किसी ने किया होगा। दरअसल यूनुस ने अपनी पूरी ताकत हालात बेहतर बनाने के बजाय भारत का विरोध करने में लगा दी थी। उन्होंने ऐसे तत्त्वों को खुली छूट दे रखी थी, जो आए दिन भारत के बारे में भड़काऊ टिप्पणियां करते थे। आज जब बांग्लादेश से ऐसी खबरें आ रही हैं कि वहां कामबंदी, हड़तालें हो रही हैं, कंपनियों के पास कर्मचारियों को वेतन देने के लिए भी धन नहीं है तथा लोगों में असंतोष बढ़ता ही जा रहा है, तो बांग्लादेशियों को चिंतन करना चाहिए। ऐसे हालात पैदा ही क्यों हुए? शेख हसीना के शासन में कमियां रही होंगी, लेकिन उनके नेतृत्व में इस देश ने बहुत उन्नति की थी। बांग्लादेश में लोग आज ज्यादा सुखी हैं या तब ज्यादा सुखी थे? उद्योग-धंधे आज ज्यादा अच्छे चल रहे हैं या तब ज्यादा अच्छे चल रहे थे? इस देश को कुछ कट्टरपंथियों ने ऐसा बेपटरी किया कि अब समझ नहीं आ रहा कि चलें तो कैसे चलें, किधर चलें! नोबेल पुरस्कार विजेता होने से यूनुस के साथ कई उम्मीदें जुड़ी थीं, लेकिन उन्होंने सबको बंगाल की खाड़ी में डुबो दिया। वे कभी चीन से नजदीकी बढ़ाते रहे, कभी पाकिस्तान से भाईचारा निभाते रहे। ये दोनों ही किसी काम नहीं आए।

याद करें, पिछले साल जब बीएनपी के नेता और कार्यकर्ता भारतीय साड़ियां जला रहे थे, तो हमने 10 दिसंबर के अंक में यह लिखते हुए चेताया था कि 'ये सिर्फ भारतीय साड़ियां नहीं जला रहे, बल्कि अपने देश का भविष्य जला रहे हैं, अपने लोगों की खुशहाली व समृद्धि को खाक में मिला रहे हैं।' आज बांग्लादेश उसी बिंदु पर पहुंच चुका है। भारत से दुश्मनी करके क्या मिला? हमारा देश तो जापान को पछाड़कर चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। बांग्लादेश की अर्थव्यवस्था कहां है? इस पड़ोसी देश में कोई अक्लमंद शख्स बागडोर संभालता तो सबसे पहले भारत के साथ संबंधों को मजबूत बनाने पर जोर देता। बांग्लादेशी अर्थव्यवस्था शीर्ष 20 में भी शामिल नहीं है। वह आंतरिक चुनौतियों से जूझती रहती है। उसके पास तकनीक में निवेश के लिए पूंजी का अभाव है। उसे भारत से सदैव सहयोग मिलता रहा है। पिछले एक दशक में बांग्लादेश के वस्त्र उद्योग ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया था। वहां कार्यबल में महिलाओं की भूमिका बढ़ी थी। डॉलर के मुकाबले उसकी मुद्रा काफी हद तक स्थिर थी। कई विशेषज्ञ यह कहने लगे थे कि बांग्लादेश 'नेक्स्ट एशियन टाइगर' है। कुछ लोगों को यह रास नहीं आया। बांग्लादेशियों ने अपने हाथों देश का बंटाधार कर लिया। वे इसके लिए भारत को दोष नहीं दे सकते। अब तो स्पष्ट हो चुका है कि बांग्लादेश में जो हिंसा छिड़ी, वह कोई छात्र आंदोलन नहीं था। बेकाबू भीड़ में शामिल कई लोगों ने जिस तरह शेख हसीना के अंतर्वस्त्र लूटकर हवा में निर्लज्जता से लहराए थे, राष्ट्रपिता की प्रतिमा पर हथौड़े बरसाए थे, अल्पसंख्यकों के घरों और प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया था, उससे संकेत मिल रहे थे कि यह छात्र आंदोलन के नाम पर कट्टरपंथी तत्त्वों और विदेशी एजेंसियों का शक्ति प्रदर्शन है। इसने बांग्लादेश को कई साल पीछे धकेल दिया है। यूनुस की कारगुजारी सब देख चुके हैं। वे कब अमेरिका की फ्लाइट पकड़ लें, कुछ कहा नहीं जा सकता। अब सोचना उन लोगों को है, जिन्हें बांग्लादेश में ही रहना है। भारत से बैर करके पाकिस्तान कंगाली के कगार पर आ गया। उसके नक्शे-कदम पर चलने से ढाका को बर्बादी के सिवा कुछ नहीं मिल सकता। अगर बांग्लादेश को बचाना है, सही राह पर चलाना है तो भारत के साथ संबंधों को मधुर बनाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

ट्वीटर टॉक

चूरू निवासी, त्रिपुरा स्टेट राइफल में हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात श्री कुलदीप पूनियां जी के शहीद होने की सूचना दु:खद है। इन्होंने मणिपुर में आतंकवादियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में वीरगति को प्राप्त होकर भारत मां के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है।

-अर्जुनराम मेघवाल

वट सावित्री व्रत के पावन अवसर पर समस्त माताओं एवं बहनों को हार्दिक शुभकामनाएँ। यह व्रत नारी शक्ति की आस्था, संकल्प और सच्चे प्रेम का प्रतीक है। मां सावित्री की तरह आप सभी का जीवन भी श्रद्धा, शक्ति और सौभाग्य से परिपूर्ण हो।

-वसुंधरा राजे

भारतीय सेना ने शौर्य एवं पराक्रम दिखाकर ऑपरेशन सिंदूर कर आतंकवादियों एवं उनकी पनाहगार पाकिस्तानी सेना को मुंहतोड़ जवाब दिया। हालांकि अमेरिका के दबाव में मोदी सरकार ने सीजफायर कर दिया जिससे पूरे देश में आक्रोश है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

बांसुरी की आत्मा

एक बार श्रीराधा रानी ने प्रिय श्यामसुन्दर से विनम्रतापूर्वक कहा'आज आपकी मुरली बजाने की प्रबल इच्छा हो रही है। हमें अपनी मुरली दीजिए।' श्यामसुन्दर मुस्कराए और बोले'प्रिये! यह मुरली आपसे नहीं बजेगी।' राधारानी थोड़ी आश्चर्यचकित होकर बोलीं'क्या मुझे मुरली बजाना नहीं आता?' श्यामसुन्दर ने कहा 'नहीं नहीं, आप तो चौंसठ कलाओं से सम्पन्न हैं। लेकिन यह मुरली तो विशेष है, यह केवल उसी से बजती है जो इसके रहस्य को जानता हो।' राधारानी ने प्रयास किया। लेकिन मुरली से स्वर न निकला। वे बोलीं'श्याम! अवश्य ही तुमने इसमें कोई जादू कर दिया है।' इतने में ललिता सखी वहां आ पहुंचीं। वे बोलीं'स्वामिनीजू! यह मुरली आपसे इसलिए नहीं बज रही क्योंकि आप इसमें कृष्ण नाम भर रही हैं।' राधारानी ने पूछा'ललिते! तू भी श्यामसुन्दर के साथ मिली हुई है क्या?' सखी बोलीं'नहीं स्वामिनी, मैं तो केवल सत्य कह रही हूं। यह मुरली केवल 'राधे-नाम' से ही बजती है। आप इसमें 'राधे' नाम भरिए, तब यह अवश्य बजेगी।' राधारानी ने इस बार मुरली में 'राधे' नाम भरा। आश्चर्य! मुरली स्वयं बजने लगी, जैसे उसमें आत्मा आ गई हो।

सामयिक

नये आर्थिक सूरज बनने के सुखद एवं गौरवपूर्ण पल

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

सदियों पहले भारत एक विकसित सभ्यता एवं सोने की चिड़िया रहा है। भारत हर दृष्टि से समृद्ध देश रहा है। अंग्रेजों की बेड़ियों में जकड़ने से पहले मध्यकालीन दौर में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी रहा। विदेशी आक्रांताओं ने देश को लूटा। इतिहास में झांकें, तो लग सकता है कि मौर्य साम्राज्य की तरह एक बार फिर भारत समृद्धि के शिखर पर आरोहण करते हुए नए आर्थिक सफर एवं दुनिया की बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के लिये साजो-सामान तैयार कर रहा है।

नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रह्मण्यम ने रविवार की सुबह नये उगते सूरज के साथ भारत के नये आर्थिक सूरज बनने की सुखद एवं आह्लादकारी खबर दी। उन्होंने बताया कि भारत जापान को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अब अगले ढाई से तीन वर्षों में जर्मनी को हटाकर तीसरे स्थान पर पहुंच जाएगा। अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकडों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की जीडीपी बन चुके भारत ने अनेक नवीन संभावनाओं एवं उपलब्धियों को पंख लगाये हैं। निश्चित ही भारत आर्थिक क्षेत्र के साथ-साथ विभिन्न क्षेत्रों में एक महाशक्ति बन कर उभर रहा है, जो हर भारतीय के लिये गर्व एवं गौरव की बात है।

सुब्रह्मण्यम ने कहा, केवल संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और जर्मनी ही हमसे बड़े हैं और जो योजना बनाई जा रही है, अगर हम उसी पर टिके रहते हैं, अपनी योजनाओं एवं नीतियों को आगे बढ़ाते है तो भारत शीघ्र ही तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक अप्रैल 2025 में कहा था कि 2025 में भारत की नॉमिनल जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के अनुमानों के अनुसार, आने वाले वर्षों में भारत जर्मनी को पछाड़कर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन सकता है। वर्ष 2027 तक भारत की अर्थव्यवस्था 5 ट्रिलियन डॉलर के आंकड़े को पार कर सकती है और इस दौरान जीडीपी का आकार 5,069.47 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। वहीं, 2028 तक भारत की जीडीपी का आकार 5,584.476 अरब डॉलर होगा, जबकि इस दौरान जर्मनी की जीडीपी का आकार 5,251.928 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। आईएमएफ के मुताबिक, 2025 में अमेरिका 30,507.217 अरब डॉलर के आकार के साथ दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना रहेगा। वहीं, चीन 19,231.705 अरब डॉलर के साथ दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होगा।

भारत का चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने से विश्व स्तर पर कई महत्वपूर्ण प्रभावों में बढ़ोतरी होगी। भारत का अंतरराष्ट्रीय मंचों जैसे जी 20 और आईएमएफ में प्रभाव बढ़ेगा। भारत में फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट (एफडीआई) में और वृद्धि होगी, क्योंकि ग्लोबल कंपनियां भारत को एक आकर्षक बाजार के रूप में देख रही हैं। इससे भारत और जापान के बीच मजबूत रणनीतिक साझेदारी, जैसे चंद्रयान-5 और सैन्य सहयोग, भारत-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा। भारत इस उपलब्धि के बाद ग्लोबल इकोनॉमिक लीडरशिप की दिशा में और करीब आ गया है। भारत अगर 2028 तक जर्मनी को पीछे छोड़ देता है तो लीडरशिप और मजबूत होगी। भारत विश्वगुरु बनने एवं विश्व नेतृत्व करने में सक्षम होगा। भारत ने जापान को पछाड़ कर जो छलांग लगायी है, इसके पीछे जापान की अर्थव्यवस्था के सामने कई चुनौतियां रही है। आईएमएफ के अनुमान के अनुसार, 2025 में जापान की जीडीपी ग्रोथ रेट केवल 0.3 प्रतिशत रहने की उम्मीद है, जो भारत की 6.5 प्रतिशत की तुलना में बहुत कम है। जापान की उम्रदराज आबादी और लो बर्थ रेट ने लेबर फोर्स को सीमित कर दिया है। अमेरिका और अन्य देशों द्वारा लगाए गए टैरिफ और व्यापार नीतियों ने जापान की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है। जापान की अर्थव्यवस्था कई दशकों से स्थिरता के लिए संघर्ष कर रही है, जिसके कारण वह भारत जैसे तेजी से बढ़ते देशों से पिछड़ गया है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह भी कहा कि भारत की विकास दर 2025 में 6.2 प्रतिशत और 2026 में 6.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो कि बाकी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में ज्यादा है। इससे स्पष्ट है कि भारत अब सिर्फ जनसंख्या में ही नहीं, अर्थव्यवस्था के मामले में भी दुनिया में सबसे आगे निकलने की रेस में है। ग्रामीण इलाकों में खपत बढ़ने से ये विकास दर बनी रहेगी। हालांकि, ग्लोबल अनिश्चितता और ट्रेड टेंशन की वजह से इसमें थोड़ा असर पड़ सकता है। सशक्त एवं विकसित भारत निर्मित करने, उसे दुनिया की आर्थिक महाशक्ति बनाने और अर्थव्यवस्था की सुनहरी तस्वीर निर्मित करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी निरन्तर प्रयास कर रहे हैं। मोदी सरकार ने देश के आर्थिक भविष्य को सुधारने पर ध्यान दिया, उनके अमृत काल का विजन तकनीक संचालित और ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था का निर्माण करना है। मोदी सरकार की नियोजित एवं दूरगामी सोच का ही परिणाम है रिजर्व बैंक के पास सोने के भंडार में लगातार वृद्धि हो रही है। भारत में आर्थिक गतिविधियां नये शिखरों पर सवार है, क्योंकि भारत में डीमैट खाते 19 करोड़ के पार पहुंच चुके हैं। देश के कुल डीमैट खाते अब अन्य देशों की तुलना में नौवें स्थान पर हैं, जिसका मतलब है डीमैट खाते रूस, जापान, इथियोपिया, मैक्सिको जैसे देशों की आबादी से अधिक और बांग्लादेश की आबादी के करीब है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 1,40,000 से अधिक पंजीकृत स्टार्टअप और हर 20 दिन में एक यूनिकॉर्न उभरता है। यूनिकॉर्न उन स्टार्टअप को कहा जाता है, जिनका मूल्यांकन एक अरब डॉलर हो जाता है। इन आर्थिक उजले आंकड़ों में जहां मोदी के विजन हर हाथ को काम' का संकल्प साकार होता हुआ दिखाई दे रहा है, वहीं सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से उजागर हो रहा है। दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर भारत ने जापान को पीछे छोड़ चौथी अर्थ-व्यवस्था बन गयी है। भारत ने अनेक आर्थिक क्षेत्रों में नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं। लेकिन भारत के सामने चुनौतियां भी नयी-नयी शक्लों में उभर रही है। नयी आर्थिक उपलब्धियों एवं फिजाओं के बीच धनाढ्य परिवारों का भारत से पलायन कर विदेशों में बसने का सिलसिला चिन्ताजनक है। पलायनवादी सोच के कगार पर खड़े राष्ट्र को बचाने के लिए राजनीतिज्ञों एवं नीति नियामकों को अपनी संकीर्ण मनोवृत्ति को त्यागना होगा। तभी समृद्ध हो या प्रतिभाशाली व्यक्ति अपने ही देश में सुख, शांति, संतुलन एवं सह-जीवन का अनुभव कर सकेगा और पलायनवादी सोच से बाहर आ सकेगा। करोड़पतियों के देश छोड़कर जाने की 7500 की संख्या भले ही कुछ सुधरी है, लेकिन नये बनते, सशक्त होते एवं आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर भारत के लिये यह चिन्तन का विषय होना ही चाहिए कि किस तरह भारत की समृद्धि एवं भारत की प्रतिभाएं भारत में ही रहे। भारत के अति समृद्धशालियों की संख्या समूचे विश्व में सर्वाधिक है। इन समृद्धशालियों से उम्मीद यह की जाती है कि देश में रहकर समृद्धि हासिल करने वाले समय आने पर देश को लौटाएंगे भी। तभी देश आर्थिक दृष्टि से दुनिया की महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्रता से गति कर सकेगा। सवाल यही है कि देश को लौटाने और फायदा देने का वक्त आता है तब धनाढ्यों में एकाएक विदेश में जाकर बसने की ललक कैसे और क्यों पैदा हो रही है? अपने देश के प्रति जिम्मेदारी निभाने के समय इस तरह की पलायनवादी सोच का उभरना व्यक्तिगत स्वार्थ, सुविधा एवं संकीर्णता को दर्शाता है। दुनियाभर में धन और निवेश प्रवासन के रुझान को ट्रैक करने वाली कंपनी की सालाना रिपोर्ट में अति समृद्ध भारतीयों का अपना सब-कुछ समेट कर हमेशा के लिए भारत से जुदा हो जाने का अनुमान अनेक प्रश्न खड़े करता है, सरकार को इन प्रश्नों पर गौर करने की जरूरत है।

सदियों पहले भारत एक विकसित सभ्यता एवं सोने की चिड़िया रहा है। भारत हर दृष्टि से समृद्ध देश रहा है। अंग्रेजों की बेड़ियों में जकड़ने से पहले मध्यकालीन दौर में दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी रहा। विदेशी आक्रांताओं ने देश को लूटा। इतिहास में झांकें, तो लग सकता है कि मौर्य साम्राज्य की तरह एक बार फिर भारत समृद्धि के शिखर पर आरोहण करते हुए नए आर्थिक सफर एवं दुनिया की बड़ी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होने के लिये साजो-सामान तैयार कर रहा है। मॉर्गन स्टेनली के विशेषज्ञों ने कुछ ही समय पहले कहा है कि अगले दस साल भारत के लिए कुछ वैसे ही तेज विकास का समय होगा, जैसे चीन ने 2007 से 2012 के बीच देखा। आज के भारत में राजनीतिक एकता और सैन्य सुरक्षा के साथ पूरे इलाके का एक आर्थिक तंत्र भी विकसित हो रहा है। आर्थिक समृद्धि का दौर शुरू हुआ है तो इसके बाधक तत्वों पर विचार करना ज्यादा जरूरी है।

नजरिया

डर गए अंकल सैम

प्रमोद भार्गव

मोबाइल : 09425488224

दरअसल, इजरायल ने अपने प्रमुख नगर तेल अवीव के चारों ओर पांच इस्पाती छत्र स्थापित किए हुए हैं। ये दागी गईं मिसाइल का पता करके उसे वायुमंडल में ही ध्वस्त कर देते हैं। एक छत्र की कीमत 340 करोड़ रुपए है। ये अमेरिका की आर्थिक और तकनीक मदद से 2011 में निर्मित करके सक्रिय कर दिए गए थे। ये लड़ाकू विमान और द्रोण से छोड़ी जाने वाले मिसाइलों को भी निशाना बनाने में सक्षम हैं। इसमें तामीर इंटरसेप्ट मिसाइलें लगी हैं, जो गाजा पट्टी से होने वाले हवाई हमले के समय स्वयंमेव सक्रिय होकर प्रतिशोध ले लेती हैं।

युद्ध के बढ़ते वैश्विक खतरों और अत्याधुनिक हथियारों के प्रयोग की प्रतिस्पर्धा में दुनिया की महाशक्ति माना जाने वाला देश अमेरिका शायद भयभीत है। उसका यह भय भारत द्वारा पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान पर किए गए सटीक द्रोण और मिसाइल हमलों के परिप्रेक्ष्य में भी हो सकता है क्योंकि इस हमले और रूस-यूक्रेन एवं इजरायल-हमास के युद्धों में भी जमीन से कहीं ज्यादा आसमान के जरिए लड़ाई लड़ी जा रही है। हालांकि अमेरिका को चीन को छोड़ एशिया में किसी देश से खतरा नहीं है। अमेरिका की यौद्धिक क्षमता किसी भी देष पर भारी पड़ सकती है। ज्यादातर पश्चिमी देश भी उसके मददगार हैं। लेकिन जिस तरह से दुनिया में विश्वयुद्ध के हालात बन रहे हैं और भविष्य में अंतरिक्ष से युद्ध लड़े जाने की संभावनाएं बढ़ रही हैं, उस स्थिति में यदि हमलों की बाढ़ आ जाए तो अमेरिकी रक्षा प्रणाली कमजोर साबित हो सकती है। दरअसल दुनिया के अनेक परमाणु शक्ति संपन्न देषों ने ऐसे हथियार विकसित कर लिए हैं, जिनसे दुनिया के किसी भी दूर देश पर आक्रामण करना आसान हो गया है। यही कारण है कि अमेरिकी राश्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसी अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली निर्मित करने के लिए हरी झंडी दे दी है, जो अंतरिक्ष, भूमि और समुद्र तीनों जगह से युद्ध करने के साथ दूसरे देषों से छोड़े गए हथियारों को निष्क्रिय करने में सक्षम हो। इसमें ऐसी तकनीक होगी जो शत्रु की मिसाइल को छोड़ने के साथ ही पकड़ लेगी और वायु मार्ग में ही नष्ट कर देगी। इसे गोल्डन डोम नाम दिया गया है। ट्रंप ने एक वीडियो संदेश जारी करके दावा किया है कि यह विलक्षण प्रौद्योगिकी कुछ ऐसी विचित्र होगी, जो केवल अमेरिका के पास ही होगी।

अमेरिका ने वर्तमान में अमेरिका से बाहर अनेक स्थलों पर थल, जल और वायु सेना के लिए आधार शिविर बनाए हुए हैं। बावजूद कई ऐसे क्षेत्र भी है, जो अमेरिकी सेनाओं के लिए अबूझ क्षेत्र है। दुश्मन क्षेत्र इन क्षेत्रों की पहचान कर आसानी से राडार की नजर में नहीं आने वाले हथियारों से उसे निशाना बना सकते है। क्योंकि अमेरिका के पास फिलहाल ऐसी कोई सुरक्षा प्रणाली नहीं है, जिसके जरिए वह हाईपर सौनिक मिसाइलों और ड्रोन हमलों की बाढ़ का सामना कर सके। अंतरिक्ष हमलों से रक्षा के लिए अमेरिका के पास मिसाइल सुरक्षा प्रणाली जरूर है, इनमें पेट्रियट, नाइकी हरक्यूलीज और टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया सुरक्षा प्रणालियां प्रमुख हैं। ये उपकरण कई इकाईयों में विभाजित हैं। इसलिए अमेरिका इस बिखरी हुई क्षमता को उत्तम नहीं मानता है। इसलिए ट्रंप ने गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस सिस्टम निर्माण करने का ऐलान किया है। यह अंतरिक्ष समेत दुनिया में कहीं से भी दागी गईं सभी प्रकार की मिसाइलों को नष्ट करने में समर्थ होगा। 15 लाख करोड़ रुपए की इस योजना को 2029 तक पूरा कर लिया जाएगा। अमेरिका इस प्रणाली को बनाने में सफल हो जाता है तो दुनिया का वह ऐसा एकमात्र देश होगा, जिसके पास इतना मजबूत सुरक्षा कवच होगा। अमेरिका, उत्तर कोरिया, चीन, रूस और ईरान को खतरनाक प्रतिद्वंद्वी के रूप में महसूस करता है, इसलिए उसने डोम मनाने का निर्णय लिया है। दरअसल इन देशों ने अत्यंत घातक मार करने वाली अंतरमहाद्वीपीय मिसाइलें विकसित कर ली हैं, जिनके दायरे में अमेरिका के प्रमुख सैन्य ठिकाने और महानगर आ गए हैं। हालांकि अमेरिका के पास जो पैट्रियट मिसाइल बैटरी मिसाइल हमले रोकने में सक्षम है। अमेरिका ने ही यूक्रेन को यह सुरक्षा प्रणाली दी हुई है। यह उपग्रह से भी जोड़ी जा सकती है। भारत के पास ऐसे ही हमलों से बचने के लिए एस-400 सुरक्षा प्रणाली हैं, इसी ने ऑपरेषन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के ड्रोन हमलों को आसमान में ही नाकाम कर दिया था।

अमेरिका का गोल्डन डोम इजरायल के आयरन डोम से प्रेरित है। एलन मस्क इसके निर्माण में अहम भूमिका निभाएंगे। यह डोम बैलेस्टिक और क्रूज मिसाइलों को चार चरणों में रोकने में समर्थ होगा। एक, प्रक्षेपित करने के समय ही पहचान कर नष्ट कर देना। दो, प्रक्षेपण के आरंभिक चरण में ही रोककर नष्ट करना। तीन, हवा में नष्ट कर देना और चार निशाना बनाने के ठीक पहले तबाह कर देना। दुनिया के इस सबसे महंगी अंतरिक्ष सुरक्षा प्रणाली में मिसाइल युक्त उपग्रह और इंटरसेप्टर लेजर नेटवर्क जुड़ा होगा। डोम से जुड़ी मिसाइलें जरूरत पड़ने पर लघु और कम दूरी की शत्रु-मिसाइलों को ध्वस्त कर देंगी। इसमें हाइपरसोनिक गति से चलने वाली मिसाइलों के लिए अलग तरह के हथियार लगाए जा सकते है। फिलहाल इस डोम में पूर्व से उपलब्ध मिसाइल रक्षा प्रणालियों को एकीकृत कर प्रयोग में लाया जाएगा। गोल्डन डोम की लागत दो दषक में 71.46 लाख करोड़ तक पहुंच सकता है। चीन और रूस ऐसे उपकरणों से जुड़े हुए सेटेलाइट पहले ही तैनात कर चुके हैं। इनमें अमेरिकी उपग्रह नष्ट करने की क्षमता है। अमेरिका ने एक साल पहले ऐसा दावा किया था कि रूस ऐसा परमाणु हथियार बना रहा है, जो अंतरिक्ष में मंडराते हुए विस्फोट कर उसके आसपास के उपग्रहों को नष्ट कर सकता है। हालांकि रूस और चीन ने इस गोल्डन डोम के निर्माण के ऐलान के साथ ही कहा है कि यह उपाय अस्थिरता पैदा करने वाला होगा। गोल्डन डोम अंतरिक्ष में हथियार रखने का स्थल बनाने के साथ टकराव के नए हालात पैदा कर सकता है।

आजकल इजरायल और फिलिस्तीन समर्थक आतंकवादी संगठन हमास के बीच युद्ध चल रहा है। दुनिया ने करीब एक साल पहले देखा था कि आतंकी पैराग्लाइडिंग पर सवार होकर इजरायल की सीमा में घुसे और हजारों मिसाइलों से इजरायल पर हमला बोल दिया था। मिसाइलों के हवाई हमले से बचने के लिए इजरायल ने आयरन डोम अर्थात इस्पाती छत्र विकसित किया हुआ है। लेकिन इस बार यह डोम हमास की मिसाइलों को आसमान में ही ध्वस्त करने में असफल रहा था। दरअसल इसके सॉफ्टवेयर को अपडेट किए जाते रहे थे, लेकिन हार्डवेयर अद्यतन नहीं किया गया। नतीजतन आयरन डोम नाम की यह हवाई सुरक्षा प्रणाली अपना लक्ष्य नहीं साध पाई। इसके नाकाम रहने का एक कारण यह भी रहा कि आतंकियों ने एक साथ पांच हजार मिसाइलें दाग दी थीं। जबकि इसकी क्षमता दो हजार मिसाइलों को आसमान में ही नष्ट करने की है। इसका उद्देश्य हवाई हमलों को हवा में ही रोकना है।

इस डोम को दुनिया का सबसे भरोसेमंद हवाई हथियार माना जाता है। 2021 में 11 दिन तक चले खूनी संघर्ष में इस डोम ने हवा में दुश्मन की मिसाइलों को मार गिराने का करिश्मा दिखाया था। इस हमले में इजराइल पर 40 घंटे में रॉकेट से 1050 प्रक्षेपास्त्र (मिसाइल) दागी गई थीं, इनमें 850 से ज्यादा प्रक्षेपास्त्रों को इजरायल की पुख्ता सुरक्षा प्रणाली इस्पाती-छत्र ने हवा में ही नष्ट कर दिया था। कुछ प्रक्षेपास्त्र आबाद बस्तियों में भी गिरीं, जिनसे जान-माल को नुकसान हुआ। इजरायल ने इस वक्त दावा किया था कि वह इस लौह-कवच की बदौलत ही सुरक्षित है।

दरअसल, इजरायल ने अपने प्रमुख नगर तेल अवीव के चारों ओर पांच इस्पाती छत्र स्थापित किए हुए हैं। ये दागी गईं मिसाइल का पता करके उसे वायुमंडल में ही ध्वस्त कर देते हैं। एक छत्र की कीमत 340 करोड़ रुपए है। ये अमेरिका की आर्थिक और तकनीक मदद से 2011 में निर्मित करके सक्रिय कर दिए गए थे। ये लड़ाकू विमान और द्रोण से छोड़ी जाने वाले मिसाइलों को भी निशाना बनाने में सक्षम हैं। इसमें तामीर इंटरसेप्ट मिसाइलें लगी हैं, जो गाजा पट्टी से होने वाले हवाई हमले के समय स्वयंमेव सक्रिय होकर प्रतिशोध ले लेती हैं। ये मिसाइलें 80 से 90 प्रतिशत सटीक लक्ष्य साधने में सफल रहती हैं। अतएव लगता है युद्ध संबंधी इस क्षमता और सामर्थ्य से घबराकर अमेरिका ने गोल्डन डोम बनाने का फैसला लिया है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पाकिस्तान किस तरह आतंकवाद को पनाह दे रहा है, दुनिया को ध्यान देने की जरूरत: अभिषेक बनर्जी

सियोल/भाषा

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को चेतावनी दी कि दुनिया को इस बात को लेकर बहुत सावधान और सचेत रहने की जरूरत है कि पाकिस्तान किस तरह से आतंकवाद को पनाह दे रहा है।

बनर्जी, दक्षिण कोरिया की यात्रा पर पहुंचे सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल हैं।

बनर्जी ने सियोल में कोरियाई 'थिंक टैंक' के साथ एक उच्च स्तरीय वार्ता में कहा, पीठ पीछे सांप पालना और उम्मीद करना कि वह सिर्फ आपके पड़ोसी को ही डसे, यह आखिरी चीज है जिसके बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा, एक बार जब वह सांप बाहर आ जाता है, तो वह जिसे चाहे काट सकता है। सांप तो सांप ही रहता है। इसलिए हमें इस बात को लेकर बहुत सावधान और सचेत रहने की जरूरत है कि पाकिस्तान किस तरह से 11 सितंबर (2001), 26 नवंबर (2008) से लेकर उरी, पहलगाम तक लगातार एक के बाद एक आतंकी हमलों के जरिए आतंकवाद और आतंकवादियों को पनाह दे रहा है। ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान के एबटाबाद में छिपा था। बनर्जी ने कहा, हम पूरी विनम्रता और शालीनता के साथ यह बताना चाहते हैं कि पाकिस्तान को दिया गया कोई भी समर्थन आतंकी संगठनों को समर्थन है। पाकिस्तान की हरकतों का समर्थन या बचाव करने वाला कोई भी व्यक्ति, वास्तव में आतंकवाद का

समर्थन कर रहा है।

बनर्जी, जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राज्यसभा सजस्य संजय कुमार झा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुआ आतंकी हमला अब भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह अब वैश्विक अनिवार्यता बन गया है। टीएमसी नेता ने कहा, हम बार-बार यह कहते रहे हैं कि पाकिस्तान किस तरह से अपनी धरती पर आतंकवादियों को पनाह, सुरक्षा और आश्रय दे रहा है। उन्होंने कहा कि पहलगाम में हुआ हमला इस बात का सबूत है कि पाकिस्तान नहीं चाहता कि भारतीय अर्थव्यवस्था समृद्ध हो।

बनर्जी ने कहा, अगर आप भारत और पाकिस्तान की अर्थव्यवस्थाओं के प्रक्षेप पथ को देखें तो दोनों में स्वर्ग और नरक का अंतर है। भारत ने छलांग लगाकर विकास किया है, जबकि पाकिस्तान अपने आर्थिक संकट से जूझ रहा है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले के बाद भारत को उम्मीद थी कि पाकिस्तान न्याय करेगा और अपराधियों को सजा दिलाएगा।

टीएमसी नेता ने कहा, हमने 14 दिनों तक धैर्यपूर्वक इंतजार किया और फिर लगभग दो सप्ताह के इंतजार के बाद सात मई को हवाई हमले किए। उन्होंने कहा, लेकिन जब कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो भारत ने सटीक तरीके से जवाब दिया। हमारे हवाई हमलों ने एक भी नागरिक को नुकसान पहुंचाए बिना नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया, जिससे हिंसा के सूत्रधारों को स्पष्ट, निर्णायक संदेश गया।

बनर्जी ने कहा, मैं बंगाल से आता हूं, एक ऐसी भूमि जो कोरिया के साथ सभ्यतागत बंधन साझा करती है, कविगुरु रवींद्रनाथ टैगोर की भूमि, जिनकी कविता 'लैंप ऑफ द ईस्ट' आज भी इस देश में गहराई से गूंजती है।

परमाणु शक्ति से समर्थित बर्बर आतंकवाद विश्व शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा : एम जे अकबर

पेरिस/भाषा

यूरोप के छह देशों के लिए भारतीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के अपनी यात्रा प्रारंभ करने पर पूर्व केंद्रीय मंत्री एम जे अकबर ने सोमवार को कहा कि सैन्यवादी शासन के नियंत्रण वाली परमाणु शक्ति द्वारा समर्थित बर्बर आतंकवाद विश्व शांति के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

अकबर भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद के नेतृत्व वाले नौ-सदस्यीय सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं, जो आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई और 'ऑपरेशन सिंदूर' के महत्व पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय तक अपनी बात पहुंचाने के लिए यूरोप की यात्रा पर है।

अकबर ने कहा कि फ्रांस के साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों की मजबूती दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास को दर्शाती है।

यह प्रतिनिधिमंडल 'सीनेट' और 'नेशनल असेंबली', थिंक टैंक और विभिन्न भारतीय प्रवासियों के साथ बातचीत करेगा, ताकि पहलगाम में हुए क्रूर आतंकवादी हमले के मद्देनजर आतंकवाद को कतई न सहने के भारत के रुख को दोहराया जा सके। पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी।

अकबर ने कहा, ''विश्व

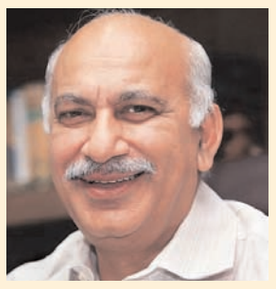

शांति के लिए सबसे बड़े खतरे के खिलाफ लड़ाई में भारत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अग्रणी बन गया है और मैं अपने शब्दों का चयन सावधानी से कर रहा हूं। यह खतरा परमाणु शक्ति द्वारा समर्थित बर्बर आतंकवाद है, जबकि यह परमाणु शक्ति सैन्यवादी शासन के हाथों में है।''

अकबर ने कहा, ''यह सम्मिश्रण एक खतरे का प्रतिनिधित्व करता है, जिसे लेकर अगर दुनिया नहीं जागती है, अगर दुनिया उसे सफलतापूर्वक नहीं समझती है, तो सरकारें अपने लोगों के साथ अन्याय करेंगी, क्योंकि यह खतरा केवल उपयोग तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह एक अंतरराष्ट्रीय खतरा है।''

'टिंडरबॉक्स: द पास्ट एंड फ्यूचर ऑफ पाकिस्तान' के लेखक अकबर ने पाकिस्तान को सरकार-प्रायोजित आतंकवाद का उपयोग करने वाला पहला देश बताया।पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''पाकिस्तान को यह समझना चाहिए कि सरकार प्रायोजित आतंकवाद का इस्तेमाल करने के परिणाम कभी नहीं बदलेंगे।'' उन्होंने यह भी कहा कि भारत आतंकवाद से कभी नहीं डरेगा।

भारत-फ्रांस द्विपक्षीय संबंधों पर अकबर ने कहा, ''द्विपक्षीय संबंधों के सुरक्षा आयाम की मजबूती विश्वास का सबूत है। मजबूत विश्वास के बिना आप सुरक्षा संबंध नहीं बना सकते।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए, फ्रांस में हमारी बातचीत बेहद उत्पादक होगी। हमारे पास पर्याप्त सबूत हैं, जिसके बारे में फ्रांस समझता है कि यह केवल भारत की समस्या नहीं है, बल्कि यह फ्रांस की भी समस्या है और आतंकवाद के खिलाफ इस युद्ध में आपसी सहयोग दोनों पक्षों के लिए आवश्यक है।'' यह बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल, 'ऑपरेशन सिन्दूर' के बाद अंतरराष्ट्रीय संपर्क पहल के तहत सातवां समूह है, जिसमें सांसद दग्गुबाती पुरंदेश्वरी, प्रियंका चतुर्वेदी, गुलाम अली खटाना, डॉ अमर सिंह, सामिक भट्टाचार्य और एम. थंबीदुरई तथा पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार राजदूत पंकज सरन शामिल हैं। फ्रांस के बाद यह प्रतिनिधिमंडल ब्रिटेन, जर्मनी, यूरोपीय संघ, ईटली और डेनमार्क जाएगा।

'मां' का पहला पोस्टर जारी, राक्षस से भिड़ी काजोल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड स्टार काजोल ने अपनी नई फिल्म 'मां' से अपना पहला पोस्टर जारी किया, जिसमें वह एक बहादुर योद्धा के अवतार में नजर आ रही हैं। इस फिल्म में वह एक ऐसे किरदार में हैं जो अपने परिवार को खतरनाक और बुरी ताकत से बचाने के लिए लड़ती हैं। पोस्टर के साथ एक्ट्रेस ने ट्रेलर के रिलीज होने की डेट का भी खुलासा किया। काजोल ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का नया पोस्टर शेयर किया है। पोस्टर में काजोल और एक शैतान नजर आ रहा है, जिसकी लाल आंखें चमक रही हैं और शरीर बेहद डरावना है। दोनों एक-दूसरे पर चिल्लाते हुए नजर आ रहे हैं। बैकग्राउंड में आकाशीय बिजली चमकती नजर आ रही है। कुल मिलाकर पोस्टर काफी डरावना है। पोस्टर पर लाल रंग में लिखा है, 'रक्षक, भक्षक और मां', पोस्टर में दमदार ऑडियो सुनाई दे रहा है। यह ऑडियो काफी जोशीला है। ऐसा लगता है काजोल शैतान से लड़ने को पूरी तरह तैयार हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए काजोल ने कैप्शन में लिखा- 'रक्षक, भक्षक, मां। बचाने वाली। बर्बाद करने वाली। चार के दिन के बाद ट्रेलर आएगा।'

फिल्म का निर्देशन विशाल फुरिया ने किया है। वह 'छोरी' और 'छोरी 2' जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। फिल्म 'मां' को अजय देवगन और ज्योति देशपांडे प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में काजोल के अलावा इंद्रनील सेनगुप्ता, रोनित रॉय और जितिन गुलाटी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह एक महिला की कहानी है, जो अपनी बेटी को बुरी ताकतों से बचाने के लिए किसी भी हद तक जाती है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो काजोल की झोली में एक्शन थ्रिलर फिल्म 'महारागनी: क्वीन ऑफ क्वींस' है, जिसका निर्देशन चरण तेज उप्पलपति ने किया है। इस फिल्म में काजोल के साथ प्रभु देवा भी नजर आएंगे। बता दें कि दोनों ने पहले भी साथ में काम किया था। 1997 में तमिल फिल्म 'मिनसारा कनवु' में प्रभु देवा और काजोल ने एक साथ अभिनय किया था। अब 27 साल बाद फिर से दोनों साथ में नजर आएंगे। काजोल और प्रभु देवा के अलावा फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन, जीशु सेनगुप्ता, आदित्य सील, प्रमोद पाठक और छाया कदम भी अहम रोल में हैं।

पवन कल्याण की फिल्म 'ओजी' 25 सितंबर को होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

पावर स्टार पवन कल्याण की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म ओजी 25 सितंबर को रिलीज होगी। फिल्म ओजी के निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर इस फिल्म की दुनिया भर में नई रिलीज की तारीख की घोषणा कर दी है। फिल्म ओजी 25 सितंबर, 2025 को भव्य वैश्विक रिलीज के लिए तैयार है। सुजीत द्वारा निर्देशित फिल्म ओजी में हाई-ऑक्टेन एक्शन, दमदार अभिनय और एक मनोरंजक कहानी का मिश्रण है। इस फिल्म में पवन कल्याण जबरदस्त अवतार में हैं, जिसे देखने के लिए प्रशंसक बड़े पर्दे पर बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म ओजी तेलुगु फिल्म उद्योग में इमरान हाशमी की पहली फिल्म है। पवन कल्याण के साथ उनका तीव्र आमना-सामना फिल्म के प्रमुख आकर्षणों में से एक होने वाला है, जो प्रत्याशा के स्तर को और भी अधिक बढ़ा देता है। प्रियंका अरुल मोहन ने पवन कल्याण के साथ अभिनय किया है। इस फिल्म का संगीत एस थमन ने तैयार किया है।

टीवी पर जल्द शुरू हो रहा 'सुपर डांसर सीजन 5'

मुंबई/एजेन्सी

टीवी का पसंदीदा डांस रियलिटी शो 'सुपर डांसर' अपने पांचवें सीजन के साथ लौट रहा है। यह शो बच्चों की डांस प्रतिभा को मंच देता है। अब जब सीजन 5 की तैयारी शुरू हो गई है, तो दर्शकों के बीच उत्सुकता देखने को मिल रही है। इस नए सीजन में 12 बच्चे बतौर कंटेस्टेंट हिस्सा लेंगे। इस शो की जज एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी कुंद्रा, कोरियोग्राफर गीता कपूर और उनके साथ कोरियोग्राफर मर्जी पेस्टनजी होंगे। बता दें कि शिल्पा और गीता पहले भी शो की जज रह चुकी हैं। वहीं, मर्जी इस शो में पहले कई बार गेस्ट के तौर पर शामिल हो चुके हैं, लेकिन इस बार वह शो के नए जज बनकर आएंगे। शो के होस्ट परितोष त्रिपाठी होंगे। शो के बारे में अपनी उत्सुकता साझा करते हुए शिल्पा शेट्टी ने कहा, ''एक मां का सबसे बड़ा सपना होता है कि उसका बच्चा दुनिया में नाम कमाए। मैं खुद एक मां हूं, इसलिए जानती हूं कि मां का अपने बच्चे के लिए कितना प्यार और सपोर्ट होता है। जज के तौर पर मैं ऐसे परफॉर्मेंस देखना पसंद करती हूं जो सीधा दिल को छू जाए।''

जज गीता कपूर ने कहा, ''इस नए सीजन में खास बात ये है कि मां और बच्चे के रिश्ते को बहुत खूबसूरती से दिखाया जाएगा। हर कंटेस्टेंट अपने डांस में नए-नए आइडियाज लेकर आएंगे। वह बिना डर के एक्सपेरिमेंट करेंगे और पूरी मेहनत से बेहतरीन परफॉर्मेंस देंगे। मैं इन सभी कंटेस्टेंट्स को पहले से ही दिल से शुभकामनाएं देती हूं।'' कोरियोग्राफर मर्जी ने कहा, ''मैं पहले भी 'सुपर डांसर' शो में गेस्ट बनकर आया हूं। जब भी मैं यहां आया हूं, हर बार बच्चों की काबिलियत, एनर्जी और जोश देखकर हैरान रह जाता हूं। कंटेस्टेंट्स के डांस देखकर मुझे वाकई बेहद खुशी होती है। पहली बार जज बनकर इस शो का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत खास और भावुक करने वाला अनुभव है।'' 'सुपर डांसर- सीजन 5' जल्दी ही सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन और सोनी लिव पर शुरू होने वाला है। लेकिन अभी तक शो की रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

वेबसीरीज 'सिंगल पापा' में नजर आएंगी नेहा धूपिया

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री नेहा धूपिया ,निर्देशक शशांक खेतान की वेबसीरीज 'सिंगल पापा' में काम करती नजर आयेंगी। शशांक खेतान, इन दिनों जान्हवी कपूर और वरुण धवन के साथ फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी की शूटिंग कर रहे हैं। अब वह जल्द ही ओटीटी पर भी डेब्यू करने जा रहे हैं। उनका शो सिंगल पापा पहले ही खबरों में था, जब इसमें कुणाल खेमू के शामिल होने की बात सामने आई थी। अब चर्चा है कि इस सीरीज़ में नेहा धूपिया को भी एक अहम भूमिका के लिए लिया गया है। इस सीरीज़ की शूटिंग इस वक्त चल रही है। प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने बताया, नेहा धूपिया इस शो में एक

अहम लीड रोल निभा रही हैं। शो का नाम सिंगल पापा है और इसकी शूटिंग अब अपने आखिरी चरण में है। यह शशांक का पहला ओटीटी प्रोजेक्ट है और इसे एक पारिवारिक, हल्के-फुल्के अंदाज़ की एंटरटेनर सीरीज़ बताया जा रहा है।

प्रभास के साथ काम करेंगी तृप्ति डिमरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा की आने वाली फिल्म स्पिरिट में दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार प्रभास के साथ काम करती नजर आयेंगी। तृप्ति डिमरी इन दिनों सफलता की ऊंचाइयों पर हैं, और उनकी रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही है। फिल्म 'एनिमल' में अपने दमदार प्रदर्शन से जबरदस्त लोकप्रियता हासिल करने के बाद, तृप्ति अब बॉलीवुड की सबसे चर्चित और डिमांड में रहने वाली अभिनेत्रियों में से एक बन गई हैं। उनकी झोली में अब एक और बड़ी फिल्म आ गयी है। तृप्ति,संदीप रेड्डी वांगा की अगली फिल्म स्पिरिट,में

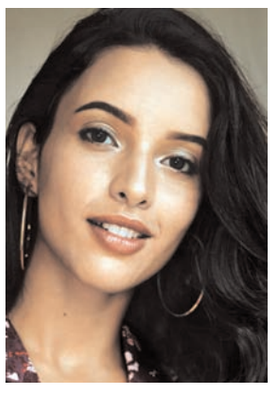

प्रभास के अपोज़िट लीड रोल में नजर आएंगी। निर्माता भूषण कुमार और निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने तृप्ति का फिल्म स्पिरिट में स्वागत किया। इस मौके पर तृप्ति ने भी इंस्टाग्राम पर अपने उत्साह को साझा करते हुए लिखा,अब भी यकीन नहीं हो रहा इस यात्रा का हिस्सा बनने का भरोसा देने के लिए आभार। शुक्रिया संदीप रेड्डी वांगा, आपके विज़न का हिस्सा बनकर सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह पहली बार होगा जब तृप्ति डिमरी और प्रभास एक साथ स्क्रीन साझा करेंगे। आज की पीढ़ी की उभरती हुई प्रतिभाओं में तृप्ति डिमरी निश्चित रूप से अगली बड़ी सुपरस्टार के रूप में उभर रही हैं। इस समय वे इम्तियाज अली और विशाल भारद्वाज जैसे देश के प्रतिष्ठित निर्देशकों के साथ काम कर रही हैं और जल्द ही शाहिद कपूर, फहाद फासिल और प्रभास जैसे बड़े सितारों के साथ नजर आएंगी।

अमिताभ ने भारत के दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने पर खुशी जताई

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के बढ़ने और दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने पर खुशी जताई है। अमिताभ बच्चन ने भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर पोस्ट किया है और खुशी जताई है। साथ ही उन्होंने अग्निवीरों का उत्साहवर्धन करते हुए भारतीय सेना को सलाम भी किया है। अमिताभ बच्चन ने एक्स पर अपने पोस्ट में सबसे पहले जय हिंद और तिरंगे वाली इमोजी से शुरुआत की। उन्होंने लिखा, भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बना है। संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, जर्मनी और अब भारत। आगामी 2.5 से 03 साल में भारत तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अमिताभ ने आगे सभी देशों की जीडीपी का जिक्र करते हुए लिखा, संयुक्त राज्य अमेरिका 30.51 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ। चीन 19.23

ट्रिलियन डॉलर के जीडीपी के साथ। जर्मनी 4.74 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ और भारत लगभग 04 ट्रिलियन डॉलर जीडीपी के साथ। अमिताभ बच्चन ने एक पोस्ट और किया। उन्होंने भारतीय सेना और अग्निवीरों को सलाम किया। उन्होंने भारतीय सैनिकों की कोलाज बनी हुई दो तस्वीरें शेयर की। जिनमें एक फोटो पर अग्निवीर लिखा हुआ है। इस तस्वीर के साथ अमिताभ ने कैप्शन में लिखा, अग्निवीर जिंदाबाद। जय भारत माता की। जय हिंद। साथ में उन्होंने तिरंगे वाला इमोजी भी बनाया।

'राहु केतु' की दूसरी शूटिंग शेड्यूल के लिए मनाली रवाना हुयी शालिनी पांडे

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शालिनी पांडे अपनी आने वाली फिल्म 'राहु केतु' की दूसर शूटिंग शेड्यूल के लिए मनाली रवाना हो गयी हैं। अपनी दमदार परफॉर्मेंस के लिए जानी जाने वाली शालिनी पांडे अब पहाड़ों की वादियों में कदम रखने जा रही हैं।

वह अपनी अगली फिल्म राहु केतु की दूसरी शूटिंग शेड्यूल के लिए मनाली रवाना हो रही हैं। इस

बहुप्रतीक्षित डार्क-कॉमेडी फिल्म में वह पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा के साथ नजर आएंगी। मनाली की खूबसूरत और ठंडी वादियां फिल्म के लिए एक अहम बैकड्रॉप बनेंगी, जिससे शूटिंग का यह नया चरण और भी रोमांचक हो गया है। शालिनी ने अपने करियर में बेहतरीन विविधता दिखाई है। उन्होंने महाराज में जुनैद खान के साथ अपने शानदार अभिनय से दिल जीता, और हाल ही में डब्बा कार्टेल में अपनी उपस्थिति से सबका ध्यान खींचा। हर किरदार में वह गहराई और स्क्रीन प्रेज़ेंस का बेहतरीन संतुलन पेश करती रही हैं। अब राहु केतु में उनकी एंट्री इस पहले से ही दमदार कास्ट में एक नया ट्विस्ट लेकर आ रही है।

फिल्म 'कुबेरा' का नया टीजर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों के सुपरस्टार धनुष और नागार्जुन की आने वाली फिल्म कुबेरा का नया टीजर रिलीज हो गया है। बहुप्रतीक्षित फिल्म कुबेरा निर्माताओं ने 'कुबेर का ट्रांस' शीर्षक वाला नया टीजर रिलीज किया है। इस फिल्म में तीन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता दिग्गज कलाकार एक साथ नजर आएंगे। धनुष, दूरदर्शी निर्देशक शेखर कम्मुला और संगीत के क्षेत्र में दिग्गज देवी श्री प्रसाद (डीएसपी) साथ मिलकर वे एक ऐसी फिल्म बना रहे हैं जो सिर्फ एक सिनेमाई अनुभव से कहीं बढ़कर है। इस दिल दहला देने वाले टीजर में डीएसपी का विद्युतीकरण करने वाला ट्रैक 'मेरी मेरी मेरी ये दुनिया सारी' है। टीजर में नागार्जुन, रश्मिका मंदाना और जिम सर्भ की अद्भुत झलकियाँ भी हैं। श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले सुनील नारंग और पुष्कर राम मोहन राव द्वारा निर्मित, कुबेरा एक महाकाव्य पैमाने पर बनाई गई है और पांच भाषाओं - तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 27-05-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में रविवार को जैन विहार समूह की बैठक आयोजित हुई जिसमें बड़ी संख्या में समूह के सदस्यों ने भाग लिया।

खेल हमारे स्वस्थ शरीर व निर्मल मन दोनों के लिए जरूरी : महेन्द्र मुणोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा बैडरहल्ली स्थित सरकारी विद्यालय के खेल मैदान में 'वालीबॉल स्पर्धा विवेक ट्रॉफी 2025' का शुभारंभ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेन्द्र मुणोत ने किया। मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेलेगा युवा तो जीतेगा भारत। हर खिलाड़ी को खेलभावना के साथ किसी भी खेल में भाग लेना चाहिए। खेल हमारे स्वस्थ शरीर व निर्मल मन दोनों के लिए दवा समान है।

इस प्रतियोगिता में 10 टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में महेन्द्र मुणोत के अलावा नवीन सेठ, महेंद्र सिंह सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। आयोजकों ने सभी अतिथियों का सम्मान किया।

गौतम लोहिया

आयुष भीमसरिया

गौतम बने मायुमं सेन्ट्रल के नए अध्यक्ष, आयुष बने सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मारवाड़ी युवा मंच सेंट्रल शाखा के नए पदाधिकारियों का चयन हुआ और शपथ ली। निर्वाचन अधिकारी सुरेश झाझरिया ने चयन में भूमिका निभाई। मंच के वरिष्ठ और पूर्व अध्यक्ष संदीप टिबरेवाल ने नव-निर्वाचित कार्यकारिणी समिति को शपथ दिलाई। कार्यक्रम का संचालन बृजेश अग्रवाल ने किया। शपथ ग्रहण समारोह में मायुमं कर्नाटक प्रांत के अध्यक्ष मोहित शर्मा, बेंगलूरु शाखा के पूर्व अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू सहित अनेक वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे। मायुमं सेन्ट्रल की नई कार्यकारिणी समिति में गौतम लोहिया को अध्यक्ष, राहुल बंसल को उपाध्यक्ष, आयुष भीमसरिया को सचिव, ऋतिक बंसल को संयुक्त सचिव, गोपाल गोयल को कोषाध्यक्ष, विनीत अग्रवाल को सहकोषाध्यक्ष व शिशिर अग्रवाल को पूर्व अध्यक्ष के रूप में शामिल किया गया है। शपथ ग्रहण के पहले निवर्तमान अध्यक्ष शिशिर अग्रवाल ने अपने कार्यकाल में हुए विभिन्न कार्यों की जानकारी दी। नए अध्यक्ष गौतम लोहिया ने कहा कि हमारा उद्देश्य हैएक मंच, एक लक्ष्य। हम इस सिद्धांत को ध्यान में रखते हुए संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावशाली बनाएंगे एवं समाज की ऊर्जा को एक नई दिशा देंगे।

आचार्यश्री देवेन्द्रसागरसूरी ने जैन विहार समूह को किया प्रेरित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में आचार्यश्री देवेंद्रसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में रविवार को जैन विहार समूह की बैठक आयोजित हुई जिसमें बड़ी संख्या में समूह के सदस्यों ने भाग लिया। आचार्यश्री के समक्ष समूह के सदस्यों ने अपने अपने विचार व्यक्त किए तथा विहार सेवा को और उत्तम व सुरक्षित बनाने के लिए अनेक विषयों पर चर्चा की। आचार्यश्री ने ज्यादा से ज्यादा युवाओं को इस विहार समूह से जुड़ने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर सुमतिनाथ जैन संघ के अनेक पदाधिकारी व ट्रस्टी उपस्थित थे।

टीपीएफ सेंट्रल शाखा की वार्षिक साधारण सभा सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम (टीपीएफ) सेंट्रल शाखा की वार्षिक साधारण सभा राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत माण्डोत की अध्यक्षता में आयोजित हुई जिसमें टीपीएफ के दक्षिण क्षेत्र के अध्यक्ष विक्रम कोठारी, सचिव भरत भंसाली, पूर्व अध्यक्ष डॉ. निर्मल संचेती, अशोक सुराणा, जितेंद्र दुगड़, लक्ष्मीपत मालू सहित अनेक सदस्यगण उपस्थित थे। शाखा अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा ने सभी का स्वागत किया। मंत्री वर्षा जैन ने शाखा की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की एवं कोषाध्यक्ष आकाश गादिया ने कोष रिपोर्ट प्रस्तुत की। वर्ष 2025-26 के लिए सीए रजत नाहटा को ऑडिटर नियुक्त किया गया। गत वर्ष के प्रमुख कार्यक्रमों की जानकारी दी गई एवं आगामी मेगा इवेंट्स की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। बैठक के दौरान विचारों का आदान-प्रदान, नेटवर्किंग और पुनः जुड़ाव का अवसर मिला। उपस्थित 50 सदस्यों द्वारा फीडबैक और सुझाव भी साझा किए गए। सहमंत्री सूरज जीरावाला ने धन्यवाद दिया।

मंत्र मैजिक द्वारा मानसिक शांति विशेष सत्र का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम सेंट्रल एवं फ्यूचरा विंग के संयुक्त तत्वावधान में एक विशेष सत्र मंत्र मैजिक द्वारा मानसिक शांति विशेष सत्र का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष हिम्मत माण्डोत की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में साध्वीश्री संयमलताजी का सान्निध्य मिला। इस अवसर पर साध्वीश्री ने कहा कि नियमित मंत्र साधना द्वारा न केवल मानसिक तनाव को दूर किया जा सकता है बल्कि आत्मिक शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति भी संभव है।

उन्होंने मंत्रों की शक्ति को वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक दृष्टिकोण से समझाते हुए सभी प्रतिभागियों को साधना के महत्व से अवगत कराया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मंत्रों के माध्यम से जीवन एवं स्वास्थ्य में सकारात्मक परिवर्तन लाना था। कार्यशाला में 70 से अधिक सदस्य शामिल हुए। संयोजक संजय सुराणा ने कार्यक्रम का संचालन किया।

धार्मिकता का प्रतीक है पैंसठिया छंद जप अनुष्ठान : साध्वीश्री पावनप्रभा

शांतिनगर में आयोजित हुआ यह अनुष्ठान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर क्षेत्र स्थित कुंडलिया सदन में सोमवार को तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में दिव्य, आध्यात्मिक एवं भावपूर्ण आध्यात्मिक जप अनुष्ठान का आयोजन साध्वीश्री पावनप्रभाजी, पुण्ययशाजी एवं सोमयशाजी के सान्निध्य में हुआ। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने श्री पैंसठिया छंद जप अनुष्ठान का शुभारंभ किया। उन्होंने उपस्थितजनों को आध्यात्मिक ज्ञान, संयमशील जीवनशैली एवं आत्मोन्नति की दिशा में प्रेरित किया। जप, ध्यान और तप की त्रिविध साधना के माध्यम से साधकों ने आत्मा के शुद्धिकरण की अनुभूति की। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने कहा कि यह एक अद्भुत अनुष्ठान है, जिसमें 24 तीर्थंकरों की स्तुति की गई है। यह धार्मिकता का प्रतीक है। हमें धार्मिकता को सुरक्षित रखना चाहिए। यह छंद अनुपम, अनुपूर्वी और आत्मिक आधार पर निर्मित है। सागर श्रमण ने शोध किया कि छंद के बिना यंत्र की शक्ति नहीं होती और दोनों मिलकर इसकी शक्ति को दोगुना कर देते हैं, जिससे इसका प्रभाव और अधिक बढ़ जाता है। कार्यक्रम के अंतर्गत साध्वीश्री पावनप्रभाजी के मंगल भावना समारोह में तेयुप के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश कुंडलिया, मंगल कोचर, बच्छराज सुराणा, अमित भंडारी, दीपक सुराणा आदि ने आगामी चातुर्मास के लिए मंगलकामनाएं दी।

साध्वीश्री सोमयशाजी ने कहा कि यह अनुष्ठान अध्यात्म जागरण के लिए किया जाता है। यह शक्ति से भरपूर, पवित्र एवं आध्यात्मिक अनुष्ठान है। साध्वीश्री सोमयशाजी का आगामी चातुर्मास केजीएफ में तय है। इस आयोजन में लगभग 1%5 से अधिक श्रावक-श्राविकाओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई और इस सामूहिक जप एवं आध्यात्मिक ऊर्जा के अनुष्ठान में भाग लिया। यह अनुष्ठान न केवल एक धार्मिक आयोजन था, बल्कि आत्म-चिंतन, आत्म-संयम और आत्म-प्रकाश की ओर एक सशक्त कदम भी सिद्ध हुआ। कार्यक्रम का संचालन तेयुप बेंगलुरु के परामर्शक जितेन्द्र घोषल ने किया। तेयुप के अध्यक्ष विमल धारीवाल ने सभी का स्वागत करते हुए साध्वीवृंद के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। तेयुप के मंत्री राकेश चोरड़िया ने सभी को धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के संयोजक विकास चोरड़िया थे और प्रायोजक किरणचंद,प्रकाश, बजरंग कुंडलिया परिवार वाले थे। इस मौके पर तेरापंथ सभा, महिला मंडल, अणुव्रत समिति, तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम सहित तेयुप के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु जैन सेवा मंडल द्वारा आयोजित 43 कल्याणक भूमि यात्रा के दौरान नियम पालन प्रतियोगिता में प्रथम रहीं मंजू बेन संघवी, द्वितीय रहीं राजकंवर भंडारी व तृतीय रहीं मोहिनी वेदमुथा को प्रतियोगिता के लाभार्थी राजेन्द्रकुमार सवाणी व संघ यात्रा के मुख्य लाभार्थी हेमराज मोदी ने पुरस्कार प्रदान किए। मंडल के अध्यक्ष वसंत वेदमुथा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

काक्स्टा की क्रिकेट प्रतियोगिता का सेमीफाइनल व फाइनल आगामी रविवार को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय कर्नाटक एग्रीकल्चर वाटर पम्प एंड स्पेयर्स ट्रेडर्स एसोसिएशन (काक्स्टा) के तत्वावधान में 13वीं क्रिक्रेट प्रतियोगिता का शुभारंभ रविवार को गुरुकुल स्कूल मैदान में हुआ। प्रतियोगिता में 6 टीमों ने भाग लिया। बोरवेल फ़ाइटर्स, हस्ती रॉयल्स, रोटोप्लास्ट चैलेंजर्स और वी-गार्ड कंगारूज टीम ने सेमीफ़ाइनल में प्रवेश किया। डेल्टा पैंथर्स और ज़ील डेज़लर्स हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। प्रतियोगिता का सेमीफ़ाइनल एवं फाइनल आगाभी रविवार को खेला जाएगा। संघ के अध्यक्ष सुनील सुराणा ने बताया खेल के साथ अगले रविवार को अनाथ आश्रम की मदद के लिए चेरिटी कार्यक्रम भी आयोजित किया गया है। संघ के सचिव संजय भिमानी ने कहा कि प्रतियोगिता का मूल उद्देश्य सभी सदस्यों को आपस में जोड़ना और ज़रूरतमंदों की मदद करना है।

'जीतो साउथ' द्वारा टेली प्रशिक्षण सत्र का हुआ शुभारंभ

30 घंटे के सत्र में 40 प्रतिभागी ले रहे हैं प्रशिक्षण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो चैप्टर साउथ, जीतो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीएफई) के संयुक्त तत्वावधान में 30-घंटे का टेली प्राइम विद जीएसटी स्पेशलाइजेशन कार्यक्रम शुरू किया गया। यह कार्यक्रम उच्च मांग वाले क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए भी डिज़ाइन किया गया है। सीएफई के संयोजक हितेंद्र जैन ने सभी का स्वागत किया तथा जगह उपलब्ध कराने के लिए ईआईएमआर बिजनेस स्कूल को धन्यवाद दिया। ईआईएमआर बिजनेस स्कूल के संस्थापक दीपक कुमार श्रीश्रीमाल ने कहा कि इस पाठ्यक्रम को अपने कैरियर के विकास और पेशेवर विकास के लिए चुनना बहुत महत्वपूर्ण है। निदेशक एनआईसीटी के निदेशक सुप्रीत ने कहा कि सीखे हुए कौशल को सही तरीके से सही समय पर लागू करने के बारे में जानना बहुत महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षक, माधुरी और तकनीकी सहायक आनंद प्रतिभागियों को टेली का प्रशिक्षण देंगे। सचिव प्रकित गांधी ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण का लाभ उठाने का आह्वान किया। जीतो साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी ने शुभकामनाएं दी। इस प्रशिक्षण सत्र में 40 प्रतिभागी शामिल है जिन्हें प्रशिक्षण के बाद प्रमाण पत्र भी जारी किया जाएगा।

उपकारी के प्रति वफादारी का संकल्प ही मानवता का गुण : राष्ट्रसंतश्री कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेरकाडू। चेन्नई की ओर विहार करते हुए यहां के राम मंदिर में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने कहा कि जिस व्यक्ति में वफादारी का गुण नहीं, वह कितनी भी कठोर साधना कर ले, तीर्थ की यात्रा कर ले, वह धार्मिक तो क्या इंसान कहलाने लायक भी नहीं हो सकता। पशु भी जिस घर का अन्न लेता है उसकी वफादारी में अपने प्राण लुटा देता है। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से जिन्होंने हमारे ऊपर उपकार किया, वह हमारे लिए साक्षात परमात्मा का रूप हैं।उनको अनदेखा करना, उनकी उपेक्षा करना साक्षात परमात्मा का अपमान करने के समान है। मुनि कमलेशजी ने कहा कि जो उपकारी के साथ भी दुर्भावना का व्यवहार करता है वह किसी शैतान से कम नहीं है। विश्व के सभी महापुरुषों और धर्म गुरुओं ने वफादारी को धर्म का प्रवेश द्वार बताया है। जैन संत ने कहा कि धरती माता ने हमें सब कुछ दिया और जन्म देने वाली माता ने हमारी संभाल की, इन दोनों के प्रति हमें हमेशा वफादार रहना चाहिए। उपकारी के प्रति वफादारी का संकल्प ही मानवता का गुण है।

तमिलनाडु में राज्यसभा की छह सीटों पर चुनाव 19 जून को

चेन्नई/दक्षिण भारत। भारत के चुनाव आयोग ने 9 जून को तमिलनाडु से राज्यसभा की छह सीटों और असम की दो सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव की घोषणा की। द्रमुक के वाइको, पी विल्सन, एम मोहम्मद अब्दुल्ला और एम शानमुगम, अन्नाद्रमुक के एन चंद्रशेखरन और पीएमके के अंबुमणि रामदास का कार्यकाल 24 जुलाई को समाप्त हो जाएगा। इसलिए, आयोग की अपर सचिव तनुज कुमारी ने तमिलनाडु से राज्य परिषद (आरएस) के द्विवार्षिक चुनावों की घोषणा की है। चुनाव के बारे में अधिसूचना 2 जून को घोषित की जाएगी, जबकि नामांकन जमा करने की अंतिम तिथि 9 जून है। 10 जून को जांच की जाएगी और उम्मीदवारी वापस लेने की अंतिम तिथि 12 जून है। मतदान 19 जून को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच होगा और उसी दिन शाम 5 बजे मतगणना शुरू होगी।

दीवार गिरने से तीन साल की बच्ची की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक में बेलगावी जिले के गोकक कस्बे में सोमवार सुबह भारी बारिश के बीच एक घर की दीवार गिर जाने से तीन साल की बच्ची की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक बच्ची की पहचान कृतिका के रूप में हुई है। घटना में उसकी (कृतिका की) मां रेशमा और छोटी बहन खुशी को चोटें आई हैं, लेकिन वे सुरक्षित बताई जा रही हैं।

पुलिस के अनुसार, यह घटना सुबह करीब साढ़े सात बजे महालिंगेश्वर नगर में हुई। कृतिका अपनी बहन खुशी के साथ सो रही थी, तभी भारी बारिश के बीच पड़ोसी के घर की दीवार उनके ऊपर गिर गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि कृतिका की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी मां रेशमा और खुशी घायल हो गईं।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com